मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 06
मंगलवार, 07 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई में बारिश का कहरः मानखुर्द में अवैध चॉल गिरी, 6 की दर्दनाक मौत, एफआईआर दर्ज

मुंबई, 06 जुलाई। मुंबई के मानखुर्द इलाके में एक गैर-कानूनी चार मंज़िला इमारत के गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है और दो लोगों को गिरफ़्तार किया गया है। इस घटना ने बिना मंजूरी के हो रहे निर्माण और सिविक निगरानी को लेकर नई चिंताएँ पैदा कर दी हैं। यह घटना रविवार रात करीब 8.30 बजे जनता नगर में हनुमान मंदिर के पीछे हुई। भारी बारिश के बीच 'चाल नंबर 5' (जो जमीनी मंज़िल के अलावा तीन मंज़िल ऊँची इमारत थी) का एक हिस्सा अचानक ढह गया। शुरूआती रिपोर्टों के मुताबिक, दो से तीन रिहायशी घर ढह गए, जिससे कई निवासी मलबे के नीचे दब गए।

इमारत गिरने के तुरंत बाद इमरजेंसी टीमें मौके पर पहुंचीं। मुंबई फायर ब्रिगेड (MFB), मुंबई पुलिस, बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) और 108 एम्बुलेंस सेवा के कर्मचारियों ने पूरी रात बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया। मलबे से कई लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन छह लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद अधिकारियों ने इमारत के निर्माण को लेकर आपराधिक जांच शुरू कर दी है। मानखुर्द पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 105 और 3(5) के तहत FIR दर्ज की गई है।

पुलिस के मुताबिक, गिरी हुई इमारत अवैध रूप से बनाई गई चार मंजिला इमारत थी। इमारत के मालिक, ठेकेदार, झोपड़ी के मालिक और अवैध निर्माण के लिए जिम्मेदार

अन्य लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। जांचकर्ता इस बात की जांच करेंगे कि क्या इमारत ने निर्माण नियमों का उल्लंघन किया था और क्या लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। एक अहम घटनाक्रम में, अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की सूची में ऐसे निजी व्यक्ति और सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं, जिन्होंने कथित तौर पर अवैध निर्माण में मदद की या उसे संभव बनाया। उनकी भूमिकाओं की जांच की जा रही है और अधिकारी नियमों को लागू करने और रेगुलेटरी निगरानी में हुई संभावित चूक की भी जांच कर रहे हैं।

पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान और उनकी भूमिका के बारे में अभी तक आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई है। जांचकताओं के और भी संदिग्धों से पूछताछ करने की उम्मीद है, क्योंकि वे इमारत के निर्माण, मंजूरी और रखरखाव से जुड़े सबूत इकट्ठा कर रहे हैं। इस हादसे ने मुंबई में गैर-कानूनी और ढांचागत रूप से असुरक्षित इमारतों की लगातार बनी हुई समस्या को एक बार फिर उजागर किया है, खासकर घनी आबादी वाले इलाकों में, जहां मौजूदा नियमों के बावजूद अनधिकृत निर्माण होते रहते हैं। बचाव और राहत कार्य अब पूरे हो चुके हैं, जबकि इमारत गिरने और इसमें शामिल लोगों की कथित भूमिका की पुलिस जांच जारी है।

अमेरिकी दावे पर नेतन्याहू का करारा जवाब, कहा- 'भारत जैसा दोस्त हमारे साथ'

इजरायल, 6 जुलाई। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के उस बयान से असहमति जताई है, जिसमें वेंस ने कहा था कि अमेरिका ही इजरायल का एकमात्र प्रभावशाली सहयोगी है। एक साक्षात्कार में नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल को अमेरिका के अलावा भारत सहित कई अन्य देशों का भी समर्थन प्राप्त है और उसके वैश्विक सहयोगियों का दायरा कहीं अधिक व्यापक है। नेतन्याहू ने बातचीत के दौरान भारत का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें भारत से व्यापक समर्थन मिलता है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी बड़ी संख्या में भारतीय उनका समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि इजरायल के कई मित्र देश हैं, जो सुरक्षा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में उसके साथ सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। पिछले महीने

व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान J.D. Vance ने कहा था कि यदि वह इजरायल की कैबिनेट में होते, तो वह अपने एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी अमेरिका की सार्वजनिक आलोचना नहीं करते। यह टिप्पणी अमेरिका-ईरान वार्ता और लेबनान में इजरायली सैन्य अभियानों को लेकर सामने आई रिपोर्टों के संदर्भ में की गई थी।

नेतन्याहू ने कहा कि दुनिया के कई नेता उनसे संपर्क करते हैं और रक्षा, सैन्य रणनीति, साइबर सुरक्षा तथा अक जैसे क्षेत्रों में सहयोग की इच्छा जताते हैं। उन्होंने कहा कि इजरायल साइबर सुरक्षा क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है और उसकी तकनीकी विशेषज्ञता के कारण कई देश उसके साथ साझेदारी करना चाहते हैं। हाल के वर्षों में भारत और इजरायल के बीच रक्षा, कृषि, जल प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ा है।

MEIL ने कैगा अणुऊर्जा प्रकल्प में रचा इतिहास

मुंबई, 6 जुलाई। मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड (MEIL) ने कर्नाटक के कैगा अणुऊर्जा परियोजना के यूनिट 5 और 6 में प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर (PHWR) निर्माण के दौरान एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने NPCIL के इतिहास में सबसे बड़ा विनाखंड (अखंड) कंक्रीट डालने का काम सफलतापूर्वक पूरा किया।

इस कार्य में लगभग 7,250 घनमीटर कंक्रीट का उपयोग किया गया। इतने बड़े पैमाने पर अखंड कंक्रीट डालना MEIL के के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इससे कंपनी की इंजीनियरिंग क्षमता, सटीक योजना और उत्कृष्ट कार्यान्वयन कौशल स्पष्ट होता है।

कठिन मौसम, भारी बारिश और दुर्गम स्थान जैसी चुनौतियों के बावजूद MEIL ने अत्याधुनिक तकनीक, तापमान नियंत्रित कंक्रीट उत्पादन, बर्फ निर्माण व भंडारण क्षमता और बड़े पैमाने पर जनशक्ति की उपलब्धता सुनिश्चित कर यह काम बिना किसी रुकावट के पूरा किया। इस कार्य में सैकड़ों इंजीनियरों, तकनीशियनों, सुरक्षा कर्मियों और श्रमिकों ने दिन-रात मेहनत की। सुरक्षा के सभी नियमों का पालन करते हुए और गुणवत्ता की सभी जांचें पूरी कर यह काम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील अब कहलाएगी परशुरामपुरी, योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

लखनऊ, 06 जुलाई। यूपी में एक और शहर का नाम बदला! लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पर हुई कैबिनेट बैठक में शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील का नाम बदलने के प्रस्ताव को पास कर दिया गया है। योगी कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब जलालाबाद तहसील का नया नाम 'भगवान परशुराम पुरी' होगा। सोमवार को हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में दोनों डिप्टी सीएम और राज्य के प्रमुख मंत्रियों ने हिस्सा लिया, जहाँ इस फैसले समेत कई अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं और प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। प्रशासन जल्द ही नाम बदलने की आगे की कागजी कार्रवाई शुरू करेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर सोमवार को उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् तथा भारत की एकता और अखंडता के प्रबल समर्थक के रूप में याद किया। आदित्यनाथ ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि देश की एकता की रक्षा करने और जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे का विरोध करने में डॉ. मुखर्जी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत माता के महान सपूत, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आज 125वीं पावन जयंती है। इस अवसर पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार से अलग होने के बाद भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में डॉ. मुखर्जी ने देश की अखंडता के लिए ह्यएक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगेह्व का नारा दिया और जम्मू-कश्मीर की विशेष दर्जे की व्यवस्था का विरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 और तत्कालीन नेहरू सरकार की तुष्टीकरणह्वकी नीति के खिलाफ जो अभियान शुरू किया था, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार ने 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर साकार किया।

भीषण हमलों से फिर दहला यूक्रेनः रूस ने बरसाईं 68 मिसाइलें और 351 ड्रोन, 12 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 06 जुलाई। रूस ने रविवार देर रात यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बचाव दल क्षतिग्रस्त बहुमंजिला इमारतों के मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। यूक्रेन के सैन्य प्रशासन के अनुसार, हमला सोमवार तड़के तक जारी रहा। रूस ने बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल किया। राजधानी में लगातार विस्फोटों की आवाजें सुनाई देती रहीं और बड़ी संख्या में लोगों ने जान बचाने के लिए मेट्रो स्टेशनों में

शरण ली। कीव के पोडिल्स्की जिले में एक आवासीय इमारत का हिस्सा ढह गया, जबकि दार्नित्सिया जिले में कई बहुमंजिला इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने रातभर सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलें दागीं। अधिकारियों के अनुसार, कई बैलिस्टिक मिसाइलें अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहीं। वायुसेना के प्रवक्ता urii Ihnat ने कहा कि बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए अत्याधुनिक इंटरसेप्टर मिसाइलों की आवश्यकता होती है और वर्तमान में यूक्रेन को उनकी गंभीर कमी का सामना करना पड़ रहा है।

यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, रूस ने इस हमले में 68 मिसाइलें और 351 ड्रोन इस्तेमाल किए। इनमें इस्कंदर-एम, एस-400 आधारित बैलिस्टिक मिसाइलें तथा जिरकॉन हाइपरसोनिक मिसाइलें भी शामिल होने का दावा किया गया है। हालांकि, इन हथियारों की संख्या और सभी मिसाइलों के प्रकार की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमले का लक्ष्य कीव स्थित हथियार निर्माण इकाइयां, ड्रोन उत्पादन केंद्र, ईंधन भंडार, एयर डिफेंस मरम्मत केंद्र और ऊर्जा अवसंरचना थे। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी ओर यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि हमलों में कई रिहायशी इमारतें भी क्षतिग्रस्त हुईं और नागरिक हताहत हुए।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी पर निशाना साधा

नई दिल्ली, 06 जुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को भारत की गिरती पासपोर्ट रैंकिंग और सालाना पर्यटकों की संख्या में कमी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार ठहराया। कांग्रेस प्रमुख ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम और ग्लोबल सिटिजन सॉल्यूशंस का हवाला दिया, जिनके अनुसार भारत ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स में क्रमशः 80वें और 125वें स्थान पर खिसक गया है। न्होंने पासपोर्ट फीस में हालिया बढ़ोतरी को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सेवाओं में सुधार करने के बजाय, केंद्र ने पासपोर्ट को और महंगा कर दिया है। खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार की नीतियां भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार हैं।

पीएम मोदी ने 2018 में दावा किया थाः 'विदेशों में यात्रा करने और रहने वाले लोग आज भारतीय पासपोर्ट के सम्मान और ताकत को जानते हैं।' वह 'ताकत' कहां दिखती है? तथ्य उनके दावों को गलत साबित करते हैं। एक ग्लोबल पासपोर्ट रैंकिंग में, भारत 2013 में 74वें स्थान से गिरकर जून 2026 में 80वें स्थान पर आ गया है। एक और ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स भारत को 2026 में 125वें खराब स्थान पर रखता है। उन्होंने आगे कहा, सेवाओं को बेहतर बनाने के बजाय, मोदी सरकार ने पासपोर्ट को और महंगा कर दिया है। पासपोर्ट फीस 1,500 से बढ़ाकर 2,500 कर दी गई है, जबकि तत्काल चार्ज 5,000 तक बढ़ गए हैं।

मणिपुर : उग्रवादियों के हमले में असम राइफल्स के 2 जवानों की मौत, कई घायल

मणिपुर, 06 जुलाई। मणिपुर के उखरुल जिले में सोमवार को संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवानों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना अपराह्न करीब 1.30 बजे पहाड़ी जिले के नुंगशांग खोंग इलाके में हुई, जब संदिग्ध उग्रवादियों ने अर्द्धसैनिक बल के काफिले पर घात लगाकर गोलीबारी कर दी। उन्होंने बताया, "मारे गए जवानों में एक वारंट ऑफिसर और एक ड्राइवर हैं। उनकी मौत मौके पर ही हो गई। यह घटना उखरुल पुलिस थाना क्षेत्र में, जिला मुख्यालय से लगभग 17 किलोमीटर दूर नुंगशांग खोंग इलाके में हुई, जब काफिला सांगशाक में

40वीं असम राइफल्स बटालियन मुख्यालय लौट रहा था।"

अधिकारी ने बताया कि हमले के बाद इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और पास के ही एक इलाके में केंद्रीय बलों और हथियारों से लैस उग्रवादियों के बीच गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया कि घटना वाली जगह की घेराबंदी कर दी गई है और वहां जांच के लिए इंफाल से एक फोरेंसिक टीम भेजी गई है। स्थानीय लोगों का दावा है कि गोलीबारी के समय पास के धान के खेतों में काम कर रहे कई किसानों को सुरक्षा बलों ने पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया।

मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने एक बयान जारी कर असम राइफल्स के दो जवानों की हत्या की कड़ी निंदा की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार इस तरह की बर्बर हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेगी और इन अत्याचारों को मूकदर्शक बनकर नहीं देखेगी।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L.T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती

-ललित गर्ग

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और ह्यडिजिटल इंडियाह्ल तथा ह्यविकसित भारत-2047ह्ल का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। किंतु इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है-साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है। डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है।

चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता। साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरूआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है।

डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। साइबर अपराध अब किसी एक देश की समस्या नहीं रहा। इंटरनेट की दुनिया में अपराधी सीमाओं से मुक्त हैं, इसलिए समाधान भी वैश्विक होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व की प्रमुख शक्तियों को साइबर अपराध के विरुद्ध साझा कानूनी ढांचा, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और तकनीकी सहयोग विकसित करना होगा। जिस प्रकार आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग आवश्यक माना गया, उसी प्रकार साइबर अपराध के विरुद्ध भी विश्वव्यापी समन्वय समय की मांग है। अंततः डिजिटल क्रांति का वास्तविक उद्देश्य केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि मानव जीवन को अधिक सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसकी सफलता अधूरी रह जाएगी। डिजिटल भारत की वास्तविक शक्ति उसके ऐप्स, सर्वरों और आंकड़ों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित है, जिसके साथ करोड़ों नागरिक प्रतिदिन अपने मोबाइल पर एक-एक लेन-देन करते हैं। आज आवश्यकता केवल तकनीकी समाधान की नहीं, बल्कि तकनीक, नैतिकता, कानून और उत्तरदायित्व के समन्वित मॉडल की है। सरकार को कठोर कानून, त्वरित न्याय और सक्षम जांच तंत्र विकसित करना होगा, डिजिटल कंपनियों को अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना होगा, वित्तीय संस्थानों को सुरक्षा और जवाबदेही बढ़ानी होगी और नागरिकों को डिजिटल अनुशासन अपनाना होगा। साइबर अपराध और भारतीय डिजिटल जीवनशैली के बीच संतुलन ही विकसित भारत की सबसे बड़ी कसौटी है। यदि यह संतुलन स्थापित हो गया, तो डिजिटल भारत विश्व का सबसे विश्वसनीय डिजिटल लोकतंत्र बन सकता है, अन्यथा तकनीकी उपलब्धियां भी अविश्वास के बोझ तले दम तोड़ देंगी।

वैश्विक कूटनीति के केंद्र में भारत–मोदी की विदेश यात्राओं का वास्तविक हासिल

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 से 11 जुलाई 2026 तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की आधिकारिक विदेश यात्रा पर गए हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य तीनों देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी, व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है ?विरोधी दल भले ही इसे फिजूल खर्ची बता रहे हो पर नरेंद्र मोदी की लगातार विदेश यात्राओं का उद्देश्य भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक लाभ सुनिश्चित करना है, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और तकनीकी आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला है। इन यात्राओं के माध्यम से प्रमुख विदेशी कंपनियों से भारी निवेश आने से देश में रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और वैश्विक मंच पर भारत की साख व कूटनीतिक पकड़ मजबूत होती है। साथ ही, इन दौरों के जरिए प्रवासी भारतीयों के हितों की रक्षा भी की जाती है।

देखने वाली बात यह है कि वैश्वीकरण के इस दौर में किसी भी देश की प्रगति उसकी आंतरिक नीतियों के साथ-साथ इस बात पर भी निर्भर करती है कि वैश्विक पटल पर उसके संबंध कैसे हैं। पिछले एक दशक में भारत की विदेश नीति में एक अभूतपूर्व गतिशीलता देखी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लगातार होने वाली विदेश यात्राएं अक्सर घरेलू राजनीति में चर्चा और बहस का विषय बनती रही हैं। विपक्ष और आलोचक अक्सर इन यात्राओं के औचित्य और वित्तीय खर्चों पर सवाल उठाते हैं, वहीं दूसरी ओर रणनीतिक विशेषज्ञ इसे भारत की 'सक्रिय कूटनीति' का स्वर्णिम काल मानते हैं। आज जब दुनिया भू-राजनीतिक तनावों, आर्थिक मंदी और तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रही है, तब यह आत्मनिरीक्षण करना आवश्यक है कि इन निरंतर दौरों से वास्तव में भारत को क्या हासिल हुआ है। क्या ये यात्राएं महज औपचारिक मुलाकातें थीं या इनसे देश को कोई दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक लाभ मिला है?

प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का सबसे प्रत्यक्ष और मापने योग्य प्रभाव भारत के आर्थिक परिदृश्य पर पड़ा है। मोदी सरकार ने कूटनीति को सीधे तौर पर देश के आर्थिक विकास से जोड़ने का काम किया है, जिसे 'आर्थिक कूटनीति' कहा जाता है।दुनिया के प्रमुख वित्तीय केंद्रों (जैसे अमेरिका, यूएई, जापान, जर्मनी और सिंगापुर) के दौरों के दौरान प्रधानमंत्री ने सीधे तौर पर वहां के शीर्ष मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और वैश्विक निवेशकों से मुलाकातें कीं। इसका परिणाम यह हुआ कि भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रिकॉर्ड स्तर दर्ज किए गए।'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों को वैश्विक मंच पर प्रमोट करने से एप्पल, फॉक्सकॉन, माइक्रोन और टेस्ला जैसी दिग्गज कंपनियों ने भारत में अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने में रुचि दिखाई। यूएई और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ त्वरित गति से किए गए मुक्त व्यापार समझौतों ने भारतीय निर्यातकों के लिए नए रास्ते खोले हैं, जिससे कपड़ा, रत्न-आभूषण और कृषि उत्पादों के व्यापार को सीधा लाभ मिला है।

शीत युद्ध के दौर की पुरानी रक्षात्मक विदेश नीति को छोड़कर भारत ने अब 'बहु-पक्षीय संरेखण' की नीति अपनाई है। प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत कूटनीति ने भारत को वैश्विक महाशक्तियों के बीच एक अनूठा और संतुलित स्थान दिलाया है। इन विदेश यात्राओं में वाशिंगटन की यात्राओं और 'क्वाड' शिखर सम्मेलनों के माध्यम से भारत ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सुरक्षा चिंताओं को मजबूती से रेखांकित किया है। रक्षा कूटनीति के तहत अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर पहल जैसे समझौते हुए हैं।पश्चिमी देशों के भारी दबाव के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्राओं और राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनके मजबूत संबंधों ने यह सुनिश्चित किया कि भारत को संकट के समय में भी रियायती दरों पर कच्चे तेल की निर्बाध आपूर्ति मिलती रहे। यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की एक बड़ी जीत है। पड़ोस पहले की नीतिः खाड़ी देशों (यूएई, सऊदी अरब) के साथ संबंधों का कायाकल्प इस कूटनीति की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक है। कभी पाकिस्तान के करीब माने जाने वाले ये देश आज भारत के सबसे बड़े व्यापारिक और रणनीतिक साझेदार बनकर उभरे हैं।

देखा जाय तो एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के नाते, भारत की ऊर्जा जरूरतें विशाल हैं। प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में केंद्रीय भूमिका निभाई है।खाड़ी देशों, रूस और अफ्रीकी देशों के दौरों ने भारत के लिए ऊर्जा के स्त्रोतों विविधीकरण किया है, जिससे देश वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव से काफी हद तक सुरक्षित हुआ है।फ्रांस के साथ मिलकर 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' की स्थापना और ब्रिटेन के साथ 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' की पहल ने भारत को वैश्विक जलवायु कूटनीति के नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया है। इससे देश में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारी विदेशी निवेश और तकनीक का आगमन हुआ है।

आज तक भारत ऐतिहासिक रूप से अपनी रक्षा जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहा है। मोदी जी की विदेश यात्राओं ने इस निर्भरता के स्वरूप को बदला है। अब भारत केवल एक 'खरीदार' नहीं, बल्कि 'सह-उत्पादक' बनने की दिशा में अग्रसर है।फ्रांस से राफेल विमानों की खरीद हो या अमेरिका के साथ जीई फाइटर जेट इंजनों के भारत में निर्माण का समझौता, इन सभी में भारत के भीतर तकनीकी हस्तांतरण की शर्तों को प्राथमिकता दी गई है।

ताइवान, जापान और अमेरिका के साथ हुए समझौतों के माध्यम से भारत को सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण का एक नया वैश्विक केंद्र बनाने की नींव रखी गई है। इसके अतिरिक्त, भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (UPI) को सिंगापुर, यूएई और कई यूरोपीय देशों में स्वीकार्यता मिलना भारतीय तकनीक की वैश्विक धाक को दर्शाता है। लगातार दौरों और व्यक्तिगत संपर्क के कारण वैश्विक मंचों पर भारत का वजन काफी बढ़ गया है। भारत को अब अंतरराष्ट्रीय समस्याओं के हिस्से के रूप में नहीं, बल्कि उनके समाधान के रूप में देखा जाता है।भारत की जी-20 अध्यक्षता की सफलता और उसमें 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) की आवाज को बुलंद करना प्रधानमंत्री की वैश्विक स्वीकार्यता का ही परिणाम था। अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनवाना भारत की कूटनीतिक कुशलता का प्रमाण है।संयुक्त राष्ट्र में 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मान्यता दिलाना, वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद का प्रचार और दुनिया के विभिन्न देशों में 'महान भारतीय प्रवासियों' को देश की प्रगति से जोड़ना–इन सबने भारत की सांस्कृतिक साख को अत्यधिक मजबूत किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी हर विदेश यात्रा में वहां रहने वाले भारतीय समुदाय सीधे संवाद की एक नई परंपरा शुरू की। मैडिसन स्क्वायर से लेकर सिडनी और दुबई के स्टेडियमों तक, प्रवासी भारतीयों के साथ इन मुलाकातों के गहरे कूटनीतिक मायने हैं।आज विदेशों में बैठे भारतीय वहां की सरकारों की नीतियों को भारत के पक्ष में प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों के कारण ही भारत संकटग्रस्त क्षेत्रों से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने में हमेशा सफल रहा है। चाहे यूक्रेन युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन गंगा' हो, सूडान से 'ऑपरेशन कावेरी' हो, या कोविड के समय 'वंदे भारत मिशन'–वैश्विक नेताओं से प्रधानमंत्री के सीधे संपर्कों ने इन ऑपरेशनों को सुगम बनाया। यद्यपि इन यात्राओं के लाभ बहुआयामी हैं, लेकिन एक संतुलित संपादकीय के नाते इसके दूसरे पहलू को भी देखना होगा। कूटनीति में केवल 'घोषणाएं' मायने नहीं रखतीं, बल्कि उनका 'क्रियान्वयन' सबसे महत्वपूर्ण होता है। कई बार विदेशों में हस्ताक्षरित समझौतों को जमीन पर उतरने में लंबा समय लग जाता है, जिससे नौकरशाही की सुस्ती उजागर होती है। इसके अलावा, हमारे पड़ोस में चीन का बढ़ता आर्थिक और सैन्य प्रभाव (जैसे श्रीलंका, मालदीव और नेपाल में) एक निरंतर चुनौती बना हुआ है। अतः, भविष्य की राह यह मांग करती है कि विदेश यात्राओं से अर्जित कूटनीतिक पूंजी का उपयोग घरेलू स्तर पर परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को अधिक व्यावहारिक व ठोस बनाने में किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं को देश के संसाधनों के खर्च के रूप में देखना एक संकीर्ण दृष्टिकोण होगा। आधुनिक भू-राजनीति में यदि आप मेज पर मौजूद नहीं हैं, तो आप कूटनीतिक एजेंडे का हिस्सा नहीं बन सकते। इन यात्राओं ने भारत को रक्षात्मक कूटनीति के खोल से बाहर निकालकर एक 'विश्व-मित्र' और 'अग्रणी शक्ति' के रूप में स्थापित किया है। आर्थिक मोर्चे पर अरबों डॉलर का निवेश, रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम, संकट के समय नागरिकों की सुरक्षित घर वापसी और वैश्विक निर्णयों में भारत की अनिवार्य उपस्थिति–ये कुछ ऐसे ठोस प्रतिफल हैं जो इन दौरों की सफलता की कहानी खुद बयां करते हैं। आज का भारत वैश्विक मंच पर अपनी शर्तों पर खेल रहा है, और इस नए कूटनीतिक आत्मविश्वास की नींव में इन निरंतर और रणनीतिक विदेश यात्राओं का बहुत बड़ा योगदान है।

सूखती धरती, बढ़ती प्यास : जल दिवालियापन की ओर बढ़ता भारत

- डॉ. सत्यवान सौरभ

जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन, सभ्यता, आर्थिक विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन का आधार है। मानव इतिहास की अधिकांश महान सभ्यताएँ नदियों के किनारे विकसित हुईं, क्योंकि जल ही जीवन और समृद्धि का मूल स्रोत रहा है। किंतु इक्कीसवीं शताब्दी में जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव ने विश्व के अनेक देशों के समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है। भारत इस संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभर रहा है। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत जनसंख्या का भार वहन करने वाला भारत विश्व के केवल लगभग 4 प्रतिशत मीठे जल संसाधनों का स्वामी है। बढ़ती जनसंख्या, तीव्र शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक दोहन, जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा जल प्रबंधन की संरचनात्मक कमियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुँचा दिया है जहाँ केवल जल संकट की बात करना पर्याप्त नहीं रह गया है। अनेक विशेषज्ञों का मत है कि यदि वर्तमान प्रवृत्तियाँ जारी रहीं तो भारत जल संकट से आगे बढ़कर जल दिवालियापन की स्थिति में पहुँच सकता है। जल दिवालियापन वह अवस्था है जब उपलब्ध जल संसाधन प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता से अधिक दोहन के कारण समाप्तप्राय हो जाएँ, जल की गुणवत्ता इतनी खराब हो जाए कि उसका उपयोग कठिन हो जाए तथा समाज, कृषि, उद्योग और पारिस्थितिकी की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव न रह जाए।

भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में पाँच हजार घन मीटर से अधिक थी, जो लगातार घटते-घटते जल तनाव की सीमा के निकट पहुँच चुकी है। अनेक महानगर समय-समय पर पेयजल संकट का सामना कर चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है। अनेक नदियाँ प्रदूषण के कारण जीवनदायिनी के बजाय प्रदूषण वाहक बनती जा रही हैं। वर्षा की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। यह संकट केवल प्राकृतिक कारणों से उत्पन्न नहीं हुआ, बल्कि जल प्रबंधन की दीर्घकालिक कमजोरियों, नीतिगत असंतुलनों और सामाजिक व्यवहारों का परिणाम भी है।

भारत की सबसे बड़ी समस्या भूजल पर अत्यधिक निर्भरता है। देश विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपयोगकर्ता है। सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिए लाखों की संख्या में ट्यूबवेल संचालित हैं। कई राज्यों में मुफ्त अथवा अत्यधिक सब्सिडी वाली बिजली ने भूजल दोहन को और प्रोत्साहित किया है। जल निकासी की तुलना में पुनर्भरण बहुत कम होने के कारण भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। अनेक क्षेत्रों में कुएँ और हैंडपंप सूख चुके हैं तथा किसानों को अधिक गहराई तक बोरिंग करनी पड़ रही है। इससे ऊर्जा लागत बढ़ रही है और छोटे किसान आर्थिक संकट में फँस रहे हैं। कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक तथा नाइट्रेट की मात्रा बढ़ने से सार्वजनिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है।

जल प्रबंधन की दूसरी बड़ी कमजोरी वर्षा जल के समुचित संचयन का अभाव है। भारत में अधिकांश वर्षा कुछ ही महीनों में होती है, किंतु उसका बड़ा भाग नदियों के माध्यम से समुद्र में चला जाता है। यदि इस जल का वैज्ञानिक ढंग से संग्रहण और पुनर्भरण किया जाए तो भूजल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दुर्भाग्यवश पारंपरिक जल संरचनाएँ जैसे तालाब, बावड़ियाँ, जोहड़, कुएँ और झीलें उपेक्षा, अतिक्रमण और प्रदूषण का शिकार हो गई हैं। शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन को कानूनी रूप से अनिवार्य तो बनाया गया है, परंतु उसका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी सीमित है। जल प्रदूषण भी जल संकट को जल दिवालियापन की दिशा में ले जाने वाला प्रमुख कारण है। देश की अधिकांश नदियाँ घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरे तथा कृषि रसायनों से प्रभावित हैं। बड़ी मात्रा में बिना उपचारित सीवेज प्रतिदिन नदियों में छोड़ा जाता है। अनेक उद्योग पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं करते। परिणामस्वरूप उपलब्ध जल की गुणवत्ता निरंतर गिर रही है। जल की मात्रा चाहे जितनी हो, यदि वह उपयोग योग्य नहीं है तो वास्तविक जल उपलब्धता स्वतः कम हो जाती है। यह स्थिति स्वास्थ्य, कृषि, मत्स्य पालन और जैव विविधता सभी के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती है।

कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक और अल्पदक्ष उपयोग भी वर्तमान संकट का एक

महत्त्वपूर्ण कारण है। भारत के कुल मीठे जल का लगभग अस्सी प्रतिशत भाग कृषि में प्रयुक्त होता है, किंतु सिंचाई की दक्षता अभी भी निम्न है। अधिकांश क्षेत्रों में पारंपरिक बाढ़ सिंचाई पद्धति अपनाई जाती है, जिसमें बड़ी मात्रा में जल व्यर्थ बह जाता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा सरकारी खरीद की नीतियों ने कई राज्यों में धान और गन्ने जैसी अत्यधिक जल-आवश्यक फसलों की खेती को प्रोत्साहित किया है, जबकि उन क्षेत्रों की जल उपलब्धता इसके अनुकूल नहीं है। इससे भूजल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और दीर्घकाल में कृषि की स्थिरता भी प्रभावित होती है। शहरी जल प्रबंधन भी गंभीर कमियों से ग्रस्त है। तेजी से बढ़ते शहरों में पाइपलाइन से जल की भारी हानि होती है। गैर-राजस्व जल की मात्रा कई नगरों में अत्यधिक है। उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग बहुत कम किया जाता है। झीलों और तालाबों पर अतिक्रमण होने से वर्षा जल का प्राकृतिक संचयन समाप्त हो रहा है। विडंबना यह है कि एक ओर शहरों में वर्षा के समय जलभराव होता है और दूसरी ओर गर्मियों में वही शहर जल संकट से जूझते हैं। यह दशार्ता है कि हमारी जल प्रबंधन प्रणाली प्राकृतिक जल चक्र के अनुरूप विकसित नहीं हो सकी है। जल प्रबंधन की एक अन्य संरचनात्मक कमजोरी संस्थागत विखंडन है। जल से संबंधित कार्य अनेक मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों में विभाजित हैं। सिंचाई, पेयजल, भूजल, नदी संरक्षण, शहरी जलापूर्ति और पर्यावरण संरक्षण अलग-अलग संस्थाओं के अधीन हैं। इनके बीच समन्वय का अभाव समेकित जल नीति के निर्माण और प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करता है। नदी बेसिन आधारित योजना के स्थान पर प्रशासनिक सीमाओं के आधार पर जल प्रबंधन किया जाता है, जिससे संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग नहीं हो पाता।

जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और गहरा बना दिया है। मानसून की अनिश्चितता, अल्प अवधि में अत्यधिक वर्षा, लंबे शुष्क काल, हिमालयी हिमनदों के पिघलने तथा तापमान वृद्धि ने जल चक्र को प्रभावित किया है। इससे बाढ़ और सूखे दोनों की आवृत्ति तथा तीव्रता बढ़ी है। जल संसाधनों की योजना यदि पुराने जलवायु पैटर्न के आधार पर बनाई जाएगी तो भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव नहीं होगी। इन सभी चुनौतियों के कारण जल संकट केवल संसाधन संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा व्यापक प्रश्न बन चुका है। जल की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा, जिससे खाद्यान्न सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उद्योगों की उत्पादन क्षमता घट सकती है। जलजनित रोगों का प्रसार बढ़ सकता है। राज्यों और क्षेत्रों के बीच जल विवाद तीव्र हो सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर पलायन होने की संभावना भी बढ़ सकती है। अतः जल सुरक्षा को राष्ट्रीय विकास की केंद्रीय प्राथमिकता बनाना समय की आवश्यकता है। इस चुनौती का समाधान केवल नए बाँध बनाने या अधिक भूजल निकालने से संभव नहीं है। इसके लिए जल प्रबंधन की संपूर्ण सोच में परिवर्तन आवश्यक है। सबसे पहले जल को एक सीमित और मूल्यवान प्राकृतिक संपदा के रूप में स्वीकार करना होगा। जल संसाधनों का प्रबंधन नदी बेसिन आधारित समेकित दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए, जिसमें सतही जल, भूजल, वर्षा जल और पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं को एक साथ ध्यान में रखा जाए। प्रत्येक नदी घाटी के लिए वैज्ञानिक जल बजट तैयार किया जाए और उसी के अनुसार जल उपयोग की योजना बनाई जाए।

भूजल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक क्षेत्र में भूजल निकासी और पुनर्भरण का वैज्ञानिक आकलन किया जाए। जलभृतों का मानचित्रण, डिजिटल निगरानी तथा सामुदायिक भागीदारी पर आधारित भूजल शासन विकसित किया जाए। जहाँ भूजल का स्तर अत्यधिक गिर चुका है वहाँ निकासी पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जाए तथा कृत्रिम पुनर्भरण की योजनाओं को व्यापक रूप से लागू किया जाए।

वर्षा जल संचयन को राष्ट्रीय जनांदोलन बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक भवन, विद्यालय, उद्योग और सरकारी संस्थान में वर्षा जल संचयन प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। गाँवों में तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों तथा अन्य पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन किया जाए। स्थानीय समुदायों को इनके संरक्षण और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाए ताकि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम न रहकर सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बन सके। कृषि क्षेत्र में जल उपयोग दक्षता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों का विस्तार किया जाए। कम जल वाली फसलों को प्रोत्साहन दिया जाए तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिले। न्यूनतम समर्थन मूल्य और कृषि प्रोत्साहनों को जल संरक्षण के अनुरूप पुनसंर्तुलित किया जाए। मृदा स्वास्थ्य सुधार, प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण आधारित कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर सिंचाई की आवश्यकता कम की जा सकती है।

शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट जल का उपचार और पुनर्चक्रण अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। उपचारित जल का उपयोग उद्योगों, निर्माण कार्यों, उद्यानों तथा अन्य गैर-पेय उपयोगों में किया जाए ताकि स्वच्छ जल पर दबाव कम हो। पाइपलाइन लीकेज को कम करने, स्मार्ट मीटरिंग अपनाने तथा जल वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण से भी जल बचत संभव है। नदियों के संरक्षण को केवल सफाई अभियान तक सीमित न रखकर संपूर्ण नदी पारिस्थितिकी के संरक्षण से जोड़ा जाना चाहिए। बिना उपचारित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट के प्रवाह पर कठोर नियंत्रण हो। आर्द्रभूमियों, बाढ़ मैदानों और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों की रक्षा की जाए, क्योंकि यही जल पुनर्भरण और जैव विविधता के प्रमुख आधार हैं।

तकनीकी नवाचारों का भी व्यापक उपयोग किया जाना चाहिए। रिमोट सेंसिंग, भू-स्थानिक सूचना प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स तथा स्मार्ट सेंसर आधारित जल निगरानी प्रणाली विकसित कर जल उपयोग की वास्तविक समय में निगरानी की जा सकती है। जल लेखांकन, जल ऑडिट और डेटा आधारित नीति निर्माण से संसाधनों का अधिक वैज्ञानिक उपयोग संभव होगा।

साथ ही, जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ना अनिवार्य है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी से जल संरक्षण को सामाजिक आंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है। नागरिकों में यह चेतना विकसित करनी होगी कि प्रत्येक बूंद का संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

भारत के समक्ष उपस्थित जल संकट वास्तव में विकास मॉडल की परीक्षा है। यदि वर्तमान जल प्रबंधन की कमियों को दूर नहीं किया गया तो जल संकट शीघ्र ही जल दिवालियापन में परिवर्तित हो सकता है, जिसके परिणाम अत्यंत व्यापक और दीर्घकालिक होंगे। किंतु यदि वैज्ञानिक योजना, प्रभावी शासन, तकनीकी नवाचार, पारंपरिक ज्ञान, सामुदायिक भागीदारी तथा जल संरक्षण की संस्कृति को एकीकृत किया जाए तो भारत इस संकट को अवसर में बदल सकता है। जल सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक, किसान, उद्योग, स्थानीय निकाय और नीति निमार्ता की साझा जिम्मेदारी है। सतत विकास का भविष्य उसी समाज का होगा जो जल को केवल उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि साझा प्राकृतिक धरोहर मानकर उसका विवेकपूर्ण संरक्षण करेगा। यही दृष्टिकोण भारत को जल संकट से बाहर निकालकर दीर्घकालिक जल सुरक्षा और समावेशी विकास की दिशा में अग्रसर कर सकता है।

नारपोली में शिवसेना नेता संजय भोईर के जनसंपर्क कार्यालय का भव्य उद्घाटन समारोह, जनसेवा को मिलेगी नई दिशा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। नारपोली स्थित साईप्रसन्न सोसायटी, नारपोली पुलिस स्टेशन के समीप भिवंडी मनपा के नगरसेवक एवं शिवसेना उपशहर प्रमुख संजय (संदीप) गणपत भोईर के नए जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। समारोह में क्षेत्र के नागरिकों और शिवसेना पदाधिकारियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। इस अवसर पर विधायक महेश चौघुले, पूर्व विधायक रूपेश म्हात्रे, शिवसेना जिल्हाप्रमुख देवानंद थले, गटनेता मनोज काटेकर, पूर्व शिक्षण मंडल नगरसेवक संतोष शेट्टी, सुंदर नाइक, शहरप्रमुख संजय काबुकर तथा युवासेना भिवंडी पश्चिम विधानसभा अध्यक्ष तेजस काटेकर सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। उपस्थित नेताओं ने संजय (संदीप) भोईर को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नया जनसंपर्क कार्यालय जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बनेगा तथा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और विकास कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समारोह में अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। बड़ी संख्या में शिवसैनिकों और स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण और संगठनात्मक एकता का संदेश देने वाला बना दिया।

भारी बारिश में उखड़कर गिरा विशाल जामुन का पेड़, मनपा की लापरवाही पर उठे सवाल

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक 3 में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच एक विशाल जामुन का पेड़ जड़ समेत उखड़कर सड़क पर गिर गया। गनीमत रही कि घटना के समय वहां से कोई राहगीर नहीं गुजर रहा था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। यह घटना सोमवार सुबह 8 बजे अमर ज्योति स्कूल से ग्राउंड जाने वाले मार्ग पर मंदिर के सामने हुई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते पेड़ की छंटाई और रखरखाव किया गया होता, तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। घटना ने मनपा की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय निवासी स्वदेश पांडे एवं आचार्य श्यामसुंदर शर्मा ने सबसे पहले इसकी सूचना स्थानीय जनप्रतिनिधि वो महानगरपालिका को दी। आरोप है कि सूचना देने के करीब दो घंटे बाद मनपा की टीम मौके पर पहुंची और प्रारंभिक कटाई कर लौट गई। इसके बाद नगरसेविका दिव्या परब ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, जिसके बाद मनपा की टीम दोबारा पहुंची और पेड़ की पूरी कटाई कर रास्ता यातायात के लिए साफ किया गया। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, नगरसेविका योगिता शर्मा और सरिता चतुवेर्दी के मौके पर पहुंचने के बाद ही राहत कार्य में तेजी आई। नागरिकों ने मांग की है कि बरसात के मौसम को देखते हुए क्षेत्र के पुराने और जोखिम वाले पेड़ों का तत्काल सर्वे कर उनकी आवश्यक छंटाई कराई जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

डोंबिवली में सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे का दौरा, गिरी हुई दीवार का किया निरीक्षण

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। पिछले कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण डोंबिवली शहर के कई हिस्सों में गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसी बीच डोंबिवली पूर्व स्थित ब्राह्मण सभा सभागार परिसर में निमार्णाधीन कैंसर अस्पताल के पार्किंग कार्य के दौरान लगी सुरक्षा दीवार (प्रोटेक्शन वॉल) ढह जाने से आसपास के नागरिकों में दहशत का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पूरी घटना की जानकारी ली और प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। सांसद डॉ. शिंदे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि या दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके। उन्होंने सुरक्षा दीवार के पुनर्निर्माण का कार्य तत्काल शुरू करने, पूरे क्षेत्र को सुरक्षित करने तथा एहतियात के तौर पर स्थानांतरित किए गए परिवारों की उचित देखभाल और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी प्रशासन को दिए। निरीक्षण के दौरान अभिनव गोयल, महापौर हषार्ली थाविल, उपमहापौर राहुल दामले, विश्वनाथ राणे, महापालिका के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता, आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, संबंधित ठेकेदार एवं स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान विधायक राजेश गोवर्धन मोरे ने भी प्रशासन से अपील की कि अतिवृष्टि की स्थिति को देखते हुए पूरी सतर्कता बरती जाए और समय रहते प्रभावी उपाय किए जाएं, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

कल्याण रेलवे स्टेशन क्षेत्र में संगठित देह व्यापार गिरोह पर मकोका की कार्रवाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण रेलवे स्टेशन परिसर में संगठित रूप से देह व्यापार संचालित करने वाले गिरोह के खिलाफ कल्याण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, महात्मा फुले चौक पुलिस थाने में दर्ज अपराध बीएनएस की संबंधित धाराओं तथा अनैतिक देह व्यापार (प्रतिबंध) अधिनियम, 1956 के तहत कार्रवाई की गई थी। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार महिला और पुरुष आरोपियों ने आपसी साठगांठ कर करीब 20 महिलाओं को पैसों का

लालच देकर देह व्यापार में धकेला और ग्राहकों से शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर कर उससे आर्थिक लाभ अर्जित किया।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि गिरोह के सरगना और उसके सहयोगियों के पास आय का कोई वैध स्रोत नहीं था। वे संगठित तरीके से महिलाओं और युवतियों का शोषण कर अवैध रूप से आर्थिक लाभ कमा रहे थे। इसी आधार पर मामले में मकोका की धारा के लिए पूर्व प्रादेशिक विभाग, कल्याण के अपर पुलिस आयुक्त से विधिवत अनुमति प्राप्त की गई। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय की अनुमति से 30 जून को कल्याण जिला कारागार से हिरासत में लेकर मामले में औपचारिक गिरफ्तारी की। विशेष न्यायालय, ठाणे ने 6 जुलाई तक पुलिस रिमांड मंजूर की थी, जिसके बाद आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, सह पुलिस आयुक्त ज्ञानेश्वर चव्हाण, अपर पुलिस आयुक्त संजय जाधव, पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे के मार्गदर्शन में की गई। मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस आयुक्त अशोक होनमाने और उनकी टीम कर रही है।

कामन में फैक्ट्री से लाखों की कॉपर केबल चोरी का पर्दाफाश, तीन महिलाएं गिरफ्तार

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। नायगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने कामन स्थित एक औद्योगिक परिसर में हुई लाखों रुपये की कॉपर केबल चोरी का पदार्फाश करते हुए तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई कॉपर केबल और वारदात में प्रयुक्त अन्य सामग्री सहित कुल 1,12,063 रुपये का माल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 18 जून 2026 की रात 11 बजे से 19 जून 2026 की सुबह 8:45 बजे के बीच कामन स्थित महा एक्टिव इंजीनियर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निमार्णाधीन विद्युत संयंत्र परिसर में अज्ञात चोरों ने कंटेनर का ताला तोड़कर उसमें रखी 1,08,784 रुपये मूल्य की मल्टीस्टैंड कॉपर केबल चोरी कर ली। इस संबंध में शिकायतकर्ता पारस संजोगकुमार डोडाल की शिकायत पर नायगांव पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(ए) एवं 331(4) के तहत मामला दर्ज किया गया।जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के 100 से 120 सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने भिवंडी क्षेत्र से तीन महिलाओं–अंजू दिनेश गोसावी (21), सोनम विकास गोसावी (32) और पूनम संदेश गोसावी (25), निवासी अत्तर पाड़ा, शेलार, भिवंडी–को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों ने चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

मानखुर्द में हुआ हादसा दुर्भाग्यपूर्ण : संजीव उपाध्याय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पिछले चार दिनों से हो रही भारी बरसात के कारण मानखुर्द के मंडाला इलाके के जनता नगर में एक तीन मंजिला मकान गिरने से हुए दर्दनाक हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। राकांपा मुम्बई प्रदेश के उपाध्यक्ष संजीव उपाध्याय ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है और मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना जताई है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों को अच्छा इलाज देने की भी मांग की है। बता दें पिछले कुछ दिनों से मुंबई समेत राज्य में हो रही भारी बारिश के कारण अलग-अलग जगहों पर हादसे हो रहे हैं। इसी तरह, मानखुर्द के मंडाला इलाके के जनता नगर में रविवार रात करीब 8:30 बजे एक तीन मंजिला मकान अचानक गिर गया। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है, जिसमें एक महिला और

उसके बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद फायर ब्रिगेड, NDRF, पुलिस और स्थानीय लोगों ने युद्ध स्तर पर बचाव अभियान चलाया। मलबा हटाने और फंसे हुए लोगों को खोजने का काम देर रात तक जारी रहा। घायलों को तुरंत शताब्दी हॉस्पिटल और राजावाड़ी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया और उनका इलाज चल रहा है। वहीं राकांपा मुम्बई प्रदेश के उपाध्यक्ष संजीव उपाध्याय ने अस्पताल प्रशासन से घायलों को अच्छे से अच्छे इलाज किए जाने की मांग की है।

केलवा बांध 100% भरा, 2.951 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज शुरू

प्रशासन अलर्ट, लोगों से नदी-नालों से दूर रहने की अपील

पालघर(उत्तरशक्ति)। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते पालघर तहसील की महिम-केलवा लघु सिंचाई परियोजना के अंतर्गत आने वाला केलवा बांध पूरी क्षमता के साथ भर गया है। जलस्तर बढ़ने के कारण बांध से 2.951 क्यूसेक पानी का नियंत्रित डिस्चार्ज शुरू कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने संभावित जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति को देखते हुए निचले क्षेत्रों के नागरिकों से सतर्क रहने तथा प्रशासन के निदेर्शों का पालन करने की अपील की है।

जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने लोगों से नदी, नालों और बांध के स्पिलवे (सांडवा) के पास जाने से बचने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर विश्वास न करने का आग्रह

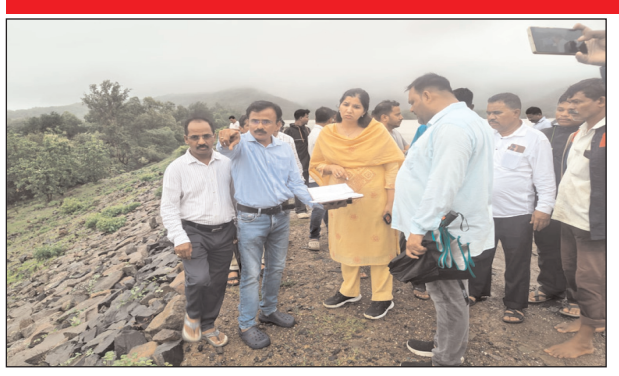

किया। मुंबई-सूरत पश्चिम रेलवे मार्ग पर केलवा रोड स्टेशन के समीप झांगरोली गांव के पास स्थित यह बांध वर्ष 1981 में निर्मित हुआ था और पिछले 45 वर्षों से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई का लाभ पहुंचा रहा है। वर्तमान में बांध में 3.242 दलघमी जल भंडारण के साथ यह 100 प्रतिशत भर चुका है। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए तहसीलदार पालघर के समन्वय में राजस्व, पुलिस और जलसंपदा विभाग की संयुक्त टीम राहत एवं सुरक्षा व्यवस्था में जुटी हुई है। जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ तथा पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख स्वयं पूरे घटनाक्रम की निगरानी कर रहे हैं। प्रशासन ने दसमाला, भूतानमाल, झांगरोली, भरणपाड़ा, टोकराले, देवीपाड़ा, देवशेत पाड़ा, मायखोप, पाटीलपाड़ा, पलगेपाड़ा, तरडेपाड़ा, बेंदली, राठे, रावलपाड़ा और माकुणसार सहित आसपास के गांवों के लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। नागरिकों से नदी-नालों में जाने से बचने, बच्चों को जलधाराओं से दूर रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचना देने का अनुरोध किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल बांध क्षेत्र के आसपास किसी प्रकार का तात्कालिक खतरा नहीं है, लेकिन लगातार बारिश को देखते हुए एहतियात बरतना अत्यंत आवश्यक है।

विक्रोली में जलभराव के बीच टायर ट्यूब डालकर अनोखा प्रदर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया है, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। उपनगरों के विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों पर पानी भर गया है, जबकि पेड़ गिरने और दीवारें ढहने जैसी घटनाएं भी सामने आई हैं। विक्रोली के टैगोर नगर और कन्नमवार नगर इलाके में सड़कों ने मानो नदी का रूप ले लिया है। इसी के विरोध में समाजसेवी डॉ. योगेश भालेराव ने जलभराव वाली सड़क पर टायर ट्यूब डालकर बृहन्मुंबई महानगरपालिका के नाला सफाई के दावों के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन किया। पानी में ट्यूब डालकर उन्होंने प्रशासन के कार्यों पर नाराजगी जताई और नाला सफाई के दावों पर सवाल

खड़े किए। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. भालेराव ने कहा कि महानगरपालिका द्वारा नालों की सफाई पूरी होने का दावा जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाता। सड़कों पर बड़े पैमाने पर जलभराव होने से आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन केवल दावे करने के बजाय प्रभावी और स्थायी उपाय करे, ताकि हर बारिश में लोगों को ऐसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। वहीं, विक्रोली क्षेत्र में लगातार जलभराव के कारण वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग करते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है।

मुंबई में जनजीवन और स्थिति पूरी तरह नियंत्रित : मंगल प्रभात लोढा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पिछले दो-तीन दिनों से मुंबई में हो रही भारी बारिश के बीच मुंबई में जनजीवन और स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। संकट के इस समय में मुंबईकरों द्वारा प्रशासन को दिया गया सहयोग अत्यंत बहुमूल्य है, यह प्रतिपादन मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने आज किया। वे मुंबई महानगरपालिका के आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष (Disaster Management Center) का प्रत्यक्ष दौरा कर स्थिति की समीक्षा करने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। इस अवसर पर सदन के नेता गणेश खणकर, महानगरपालिका आयुक्त श्रीमती अश्विनी भिडे, अतिरिक्त महानगरपालिका आयुक्त (शहर) श्रीमती प्राजक्ता वर्मा - लवंगारे , अतिरिक्त महानगरपालिका आयुक्त (पूर्वी उपनगर) अविनाश ढाकणे , उपायुक्त (स्वास्थ्य) शरद उघडे और महानगरपालिका के संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैसा कि माननीय मुख्यमंत्री ने विधानसभा में उल्लेख किया था, यह प्रकृति का एक बड़ा प्रकोप है और यह एक अभूतपूर्व स्थिति है। शहर में एक ही दिन में ३५० से अधिक पेड़ों के उखड़ने की घटना हुई। हालांकि, ऐसी कठिन परिस्थितियों में भी

महानगरपालिका का आपदा प्रबंधन विभाग और सरकारी तंत्र अत्यंत तीव्र गति से और युद्ध स्तर पर सड़कों से पेड़ हटाने और जलभराव को दूर करने के काम में जुटा हुआ है। नागरिकों, विशेषकर लंबी दूरी की यात्रा करने वालों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन ने अत्यंत सतर्कता के साथ कदम उठाए हैं। एक आवश्यक एहतियाती उपाय के रूप में सुबह के सत्र में स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित की गई और उसके बाद दोपहर के सत्र में सरकारी कार्यालयों को भी छुट्टी दे दी गई, ताकि यात्री सुरक्षित अपने घर पहुंच सकें। मंत्री लोढा ने अत्यंत सकारात्मकता व्यक्त करते हुए कहा कि इतने बड़े संकट के बाद भी मुंबई कहीं भी थमी नहीं है। एहतियाती उपायों के कारण लोकल ट्रेनों की गति थोड़ी धीमी जरूर है, लेकिन रेल यातायात पूरी तरह से चालू है। सड़कों पर जमा पानी और गिरे हुए पेड़ों को पूरी तरह से साफ कर दिया गया है और सड़कों को यातायात के लिए खोल दिया गया है। पिछले तीन दिनों से महानगरपालिका के अधिकारी और कर्मचारी दिन-रात एक कर ऑन-फील्ड काम कर रहे हैं। संकट के समय में राजनीति न करते हुए हम सभी को प्रशासन के साथ खड़ा होना चाहिए और उनके इस निरंतर परिश्रम की सराहना करनी चाहिए, ऐसा आह्वान मंत्री लोढा ने इस अवसर पर किया। उन्होंने आगे कहा कि ९० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार सभी को व्हाट्सएप के माध्यम से सतर्कता के संदेश भेज दिए गए हैं, और आगामी किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए संपूर्ण प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह तैयार है।

पालघर जिले में मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त, जिला प्रशासन ने की सतर्कता बरतने की अपील

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। जिले के कई हिस्सों में जलभराव, सड़कों पर पानी भरने, यातायात बाधित होने तथा नदी-नालों के उफान पर आने से आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निचले इलाकों में पानी भरने की स्थिति के चलते प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। बारिश के कारण कई स्थानों पर यातायात प्रभावित हुआ है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क मार्गों पर पानी भर जाने से लोगों की आवाजाही में कठिनाइयाँ उत्पन्न हुई हैं। मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में भी भारी वर्षा की संभावना जताये

जाने के बाद जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा है। जिलाधिकारी डॉ इंदू रानी जाखड़ ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें, नदी, नाले, झरनों व जलाशयों के आसपास जाने से बचें तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत स्थानीय प्रशासन, पुलिस या आपदा नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें। प्रशासन द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और राहत एवं बचाव दलों को भी तैयार रखा गया है। प्रशासन ने अभिभावकों से बच्चों को बारिश के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रखने तथा वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है। साथ ही अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने का आग्रह किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है इसलिए किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं।

बालासाहेब ठाकरे जन्मशताब्दी पर शिवसेना की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर व छाता वितरण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शिवसेनाप्रमुख स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में शनिवार (5 जुलाई 2026) को शिवसेना शहर जिला शाखा कार्यालय के समीप स्थित शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे हॉल में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं छाता वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के पक्षप्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव बालासाहेब ठाकरे के निर्देश तथा शिवसेना नेता, पूर्व सांसद एवं शिवसेना सचिव विनायक राऊत के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर में करीब 200 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान डायबिटीज जांच, टीबी जांच, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, छाती का एक्स-रे सहित विभिन्न चिकित्सीय सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। साथ ही आयुर्वेदिक दवाइयों का भी मुफ्त वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए छाते भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला सहसंपर्क प्रमुख मनोज गगे, पूर्व शहर प्रमुख मोहन दादा वल्लाल, पूर्व जिला संघटिका वैशाली मेस्त्री, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, पूर्व महानगर प्रमुख अरुण पाटिल, पश्चिम विभाग सचिव नितेश दांडेकर तथा उपशहर प्रमुख गणेश मोरे सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में बालासाहेब ठाकरे के विचारों पर चलते हुए समाजसेवा को शिवसेना की पहचान बताया। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों ने शिवसेना द्वारा आयोजित जनहितकारी उपक्रमों की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक गणेश मोरे, नितेश दांडेकर, मोहन दादा वल्लाल एवं अरुण पाटिल के साथ आयोजन की सफलता में कल्पना पुजारी, अनुष्का शर्मा, इस्माईल तोडगे, मीरा भानुशाली, वर्षा पाटील, नरेश शिवदे, बालाजी गुळवी, मधुकर जाधव, व्यंकटेश कर्ली, एडवोकेट रोजीना मोमीन, शंकर खामकर, पुरुषोत्तम वेमुल, नौशेबा अंसारी, सरिता मांजरेकर, नजीर शेख 'पप्पन', मुजम्मील खान, वसीम कुरैशी, शफीक अंसारी, सुधीर नांदुरडीकर, अजय तेजे, मयूर कदम, सुयोग घैसास, मामा पुण्यार्थी, शरद पांडव, महेश पाटील, विजय कुंभार, वंदना मेस्त्री एवं दीपक वाघ सहित अनेक शिवसैनिकों का विशेष सहयोग रहा।

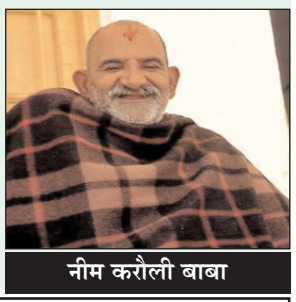

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पीडीए आंदोलन मजबूत करने और विपक्षी वोटों के बंटवारे को रोकने का आह्वान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम कड़ैला में आयोजित वीरांगना फूलन देवी सामाजिक न्याय मंच के कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, जौनपुर सदर के पूर्व विधायक एवं मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अरशद खान ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) आंदोलन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा को सत्ता से हटाना है तो विपक्षी वोटों का बंटवारा रोकना होगा। उनके अनुसार संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, किसानों के अधिकार, युवाओं के रोजगार और गरीबों के सम्मान की रक्षा के लिए सभी समान विचारधारा के लोगों को एकजुट होकर मतदान करना चाहिए। अरशद खान ने कहा कि किसान अपनी उपज का उचित मूल्य, युवा रोजगार, व्यापारी स्थिर आर्थिक वातावरण तथा गरीब, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और महिलाएं समान अवसर एवं सम्मानजनक जीवन की अपेक्षा रखते हैं। उन्होंने दावा किया कि पीडीए आंदोलन इन सभी वर्गों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता तूफानी निषाद ने कहा कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और विकास की दिशा तय करने वाला चुनाव होगा। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और विपक्षी मतों के बंटवारे को रोकने के लिए सक्रिय रहने का आह्वान किया।

वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव का निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ, जौनपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव का रविवार सुबह लगभग 5 बजे निधन हो गया। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर से अधिवक्ता समाज एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए पक्का पोखरा, खरका कॉलोनी स्थित आवास पर रखा गया है। सुबह 10 बजे उनके आवास से अंतिम यात्रा रामघाट के लिए निकलेगी, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। परिजनों ने बताया कि परिवार पर हाल के दिनों में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव के निधन से दो दिन पहले ही उनकी पुत्रवधू का भी निधन हो गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन पर अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों एवं गणमान्य लोगों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया: सुशील उपाध्याय

राष्ट्र की एकता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए डा.मुखर्जी द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान ने भारतीय राजनीति की दिशा बदल दी: अजीत प्रजापति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी और जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी आयोजित की गई इस संगोष्ठी में भारी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कर्मठ कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने कहा कि आज हम सब महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके आदर्शों को याद करने के लिए एकत्रित हुए हैं, 06 जुलाई 1901 को जन्मे डॉ. मुखर्जी एक असाधारण प्रतिभा के धनी थे मात्र 33 वर्ष की आयु में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में जो अमूल्य योगदान दिया, उसे हमेशा याद रखा जाएगा भारत के पहले उद्योग मंत्री के रूप में उन्होंने देश की औद्योगिक आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव रखी।

उन्होंने आगे कहा कि उनका पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित था बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में उनकी भूमिका अविस्मरणीय है जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया। उनका यह उद्घोष एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे आज भी हर भारतीय के दिल में राष्ट्रभक्ति की ज्वाला भड़का देता है।

जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि भारतीय इतिहास के सबसे प्रखर राष्ट्रवादियों, दूरदर्शी शिक्षाविदों और 'भारतीय जनसंघ' के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, अदम्य साहस और अखंड भारत के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है राष्ट्र की एकता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनके द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान ने भारतीय राजनीति की दिशा बदल दी।

उन्होंने आगे कहा कि हमारा देश तेजी से प्रगति कर रहा है और एक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर अग्रसर है डॉ. मुखर्जी के सपनों का एक सशक्त, आत्मनिर्भर और अखंड भारत बनाना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी आइए, हम सब आज के दिन उनके दिखाए मार्ग पर चलने और देश की एकता-अखंडता की रक्षा करने का संकल्प लें। संगोष्ठी को सुधाकर उपाध्याय विकास शर्मा दीपक सिंह मांटो कृष्ण कुमार जायसवाल सुरेन्द्र जायसवाल ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने की। उक्त अवसर पर अजय सरोज पंकज मिश्रा परविंदर चौहान पुष्पा निषाद नीरज मौर्य जिला मंत्री अंशु कुशवाहा राजकेशर पाल संतोष मिश्र धमेन्द्र मिश्रा डॉ० देवी प्रसाद सिंह राजेश गुप्ता सुधांशु सिंह घनश्याम यादव जिला मिडिया प्रभारी आमोद सिंह अमरनाथ पांडेय रोहन सिंह अमित पाठक दिग्विजय सिंह अवनीश यादव नरेंद्र उपाध्याय अनिल गुप्ता पुष्पा शुक्ला किरन मिश्रा राखी सिंह सुचिता तिवारी सुरेन्द्र मिश्र निखिल सोनकर मण्डल अध्यक्ष मण्डल प्रभारी एवं जिले के वरिष्ठ नेता उपस्थिति रही।

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर माय भारत द्वारा ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

मेधावी विद्यार्थियों को मेडल देकर किया गया सम्मानित

धर्मापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। माय भारत के तत्वावधान में डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती के अवसर पर मालती देवी शिक्षण संस्थान, सरैया, धमार्पुर में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं आयोजन शुभम मौर्य, यूथ वालंटियर, ब्लॉक धमार्पुर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संतोष मौर्य, मण्डल अध्यक्ष, भाजपा धमार्पुर ने दीप प्रज्वलन एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रनिर्माण में योगदान पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में आकृति गुप्ता ने प्रथम, अंतिमा यादव ने द्वितीय तथा आदर्श मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं। कार्यक्रम के आयोजक एवं अध्यक्ष शुभम मौर्य ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में ज्ञान, प्रतिस्पर्धा की भावना तथा राष्ट्र के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंत में सभी अतिथियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया।

पीड़ित परिजनों से मिल उनके आंसू पोंछे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय

भाजपा सरकार में कानून का राज खत्म हो गया, महिलाओं, बहन बेटियों और नाबालिग बच्चियों की आबरु सुरक्षित नहीं- अजय राय

जफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीते दिनों जफराबाद थाना क्षेत्र के धनेजा गांव में ननिहाल में रह रही चार वर्षीय मासूम बच्ची को अगवा और बलात्कार कर हत्या किए जाने की घटना को सुनकर पीड़ित परिजनों के घर शोक संवेदना व्यक्त करने सोमवार को कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी पार्टी प्रतिनिधियों के साथ पहुंच कर पीड़ित परिजनों से मिलकर दुख दर्द बांटा और शोक संवेदना व्यक्त की।

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मासूम बच्ची के साथ हुए हैवानियत की चर्चा करते हुए कहा कि परे प्रदेश में कानून का भय खत्म हो गया है, महिलाएं और छोटी छोटी नाबालिग बच्चियां भी सुरक्षित नहीं है। योगी आदित्यनाथ की सरकार की विफलताओं का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश की पहचान अपराध, चोरी और डकैती और बलात्कार के क्षेत्र में पहले नम्बर पर होता जा रहा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि कथित डबल इंजन की फर्जी हिंदूवादी भाजपा सरकार में जब भगवान राम सुरक्षित नहीं है तो प्रदेश कैसे सुरक्षित रहेगा। राम मंदिर अयोध्या में हुए चंदा और चढ़ावे चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार के शहर और संरक्षण पर हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया और भगवान श्रीराम को जमकर लूटा गया। उन्होंने प्रदेश सरकार पर राममंदिर के लुटेरों को बचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि चंदा चोरी के असली गुनहगार चंपतराय बंसल, अनिल मिश्रा, नृपेन्द्र मिश्रा और गोपाल राव को बचाया जा रहा है, किंतु उत्तर प्रदेश की जनता भगवान राम के साथ चंदा और चढ़ावा करने चोरी करने वाली भाजपा को माफ नहीं करेगी।

इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह, शहर कांग्रेस कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष आरिफ खान, संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा, यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संदीप सोनकर, विकेश उपाध्यक्ष,डा. संतोष गिरी, चंद्रशेखर निषाद, संदीप निषाद, इरशाद खान, अमन शुक्ला,जब्बार अली सलमानी, शहनवाज मंजूर, लाल प्रकाश पाल,आदिल शेख, राजीव निषाद, फैयाज हाशमी, कृष्णचंद निषाद, रहीम अंसारी, आकाश शुक्ला, सत्या त्रिपाठी पप्पू, साद खान, दिनेश चौहान, मु.ताहिर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हाईवे पर ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की हुई दर्दनाक मौत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया के स्थानीय थाना क्षेत्र के मोहन सराय पुलिस चौकी अंतर्गत कनेरी गांव के गेट के सामने सोमवार को सुबह लगभग 10:30 बजे राजातालाब की तरफ से वाराणसी की ओर जाते समय हाईवे पर ट्रक की चपेट में आने से उगापुर औराई भदोही निवासी बाइक सवार गुलप्पा बेगम उम्र 32 वर्ष नामक एक मुस्लिम महिला की दर्दनाक मौत हो गयी तथा बाइक सवार चालक खुर्शीद आलम बाल बाल बच गया। घटना के दौरान मौके से ट्रक लेकर ड्राइवर फरार हो गया।घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे रोहनिया पुलिस ने मृतक की शव को अपने कब्जे में लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भदोही जिले के औराई थाना क्षेत्र के उगापुर निवासी नवाजशरीफ की पत्नी गुलप्पा बेगम अपने भतीजा खुर्शीद आलम के साथ बाइक से वाराणसी के लोहता बाजार में दवा के लिए जा रहे थे जिसके दौरान मोहनसराय चौराहे के पास कनेरी गेट के सामने हाईवे पर साइड से जा रहे बाइक से हैंडल में टकराने की वजह से खुर्शीद आलम की बाइक अनियंत्रित हो गई जिसके दौरान बाइक पर पीछे बैठी उसकी चाची गुलप्पा बेगम हाईवे की सड़क पर गिर गई और पीछे से आ रही ट्रक गुलप्पा बेगम का सर कुचलते हुए मौके से फरार हो गया।

सुंदरता के जाल में फंसाकर करते थे लूट! नोएडा पुलिस ने पकड़ा हाई-प्रोफाइल गैंग

नोएडा (उत्तरशक्ति)। सेक्टर-24 थाना पुलिस ने ऑनलाइन फर्जी फ्रेंडशिप क्लब के नाम पर लोगों को जाल में फंसाकर लूटपाट करने वाले एक शातिर गैंग का पदार्फाश किया है। पुलिस के अनुसार, गैंग में शामिल तीन युवतियां–निधि यादव, प्रियंका यादव और रिया यादव–सोशल मीडिया और फ्रेंडशिप क्लब के जरिए युवकों से संपर्क करती थीं। दोस्ती का भरोसा जीतने के बाद युवकों को मिलने के लिए सुनसान स्थान पर बुलाया जाता था। वहां पहले से मौजूद गैंग के अन्य सदस्य ओमवीर यादव, मंजेश यादव और पंकज यादव पहुंच जाते थे। इसके बाद पीड़ित के साथ मारपीट कर नकदी, मोबाइल और अन्य कीमती सामान लूट लिया जाता था। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह लंबे समय से दिल्ली-एनसीआर में इसी तरीके से वारदातों को अंजाम दे रहा था। कई पीड़ित बदनामी और शर्म के डर से पुलिस में शिकायत नहीं करते थे, जिसका फायदा उठाकर गैंग लगातार सक्रिय रहा। जांच में सामने आया कि लूट से कमाए गए पैसों से आरोपियों ने एक फॉर्च्यूनर समेत दो अन्य कारें खरीदीं और आलीशान जीवनशैली जी रहे थे।

डेढ़ लाख के निवेश से शुरू करें अपना कारोबार, बीएसएनएल लेकर आया 'भारत नेट उद्यमी योजना'

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत संचार निगम लिमिटेड बीएसएनएल ने बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 'भारत नेट उद्यमी योजना' की शुरूआत की है। योजना के तहत इच्छुक युवा करीब 1.5 लाख रुपये के न्यूनतम निवेश से अपना व्यवसाय शुरू कर सकेंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड सेवाएं उपलब्ध कराकर आय अर्जित कर सकेंगे।

बीएसएनएल जौनपुर के प्रचालन प्रमुख अंकुर तिवारी ने बताया कि योजना से जुड़ने वाले उद्यमियों को ग्रामीण क्षेत्रों में नए ब्रॉडबैंड उपभोक्ता जोड़ने का कार्य करना होगा। इस कार्य के लिए बीएसएनएल की ओर से आकर्षक भुगतान की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को उनके गृह जनपद में ही रोजगार उपलब्ध कराना है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर होने वाले पलायन में भी कमी आए। सुल्तानपुर व्यापार क्षेत्र के प्रधान महाप्रबंधक रमाशंकर राम ने इस योजना को युवाओं के लिए स्वरोजगार का सुनहरा अवसर बताया और अधिक से अधिक युवाओं से इसका लाभ उठाने की अपील की। योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी बीएसएनएल कार्यालय, जौनपुर में कार्यरत अवर दूरसंचार अधिकारी अनिल कुमार से मोबाइल नंबर 9453105033 पर संपर्क कर सकते हैं।

जौनपुर प्रीटर्म शिशुओं की देखभाल पर चिकित्सकों को दिया प्रशिक्षण, आधुनिक उपचार पद्धतियों पर हुई चर्चा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटीज ऑफ इंडिया (FOGSI) के प्रोजेक्ट ADHUNA के अंतर्गत उढऊ 2.0 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को होटल रिवर व्यू में किया गया। कार्यक्रम में जिले के स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों, बाल रोग विशेषज्ञों तथा स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का नेतृत्व FOGSI के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. भास्कर पाल तथा प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. जयदीप टैंक ने किया। आयोजन जौनपुर ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटी के सहयोग से संस्था की अध्यक्ष डॉ. अंजु कनौजिया एवं सचिव डॉ. शैली निगम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने समय से पहले जन्म (प्रीटर्म बर्थ) की पहचान, गर्भावस्था के दौरान जोखिम का आकलन, सुरक्षित प्रसव प्रबंधन, नवजात शिशु के पुनर्जीवन (रेससिटेशन), कंगारू मदर केयर (KMC), स्तनपान, मातृ मानसिक स्वास्थ्य तथा नवजात शिशुओं की समग्र देखभाल जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही आधुनिक उपचार तकनीकों एवं वैज्ञानिक दिशानिदेशों को दैनिक चिकित्सा अभ्यास में अपनाने पर जोर दिया गया।

विशेषज्ञों ने कहा कि समय से पहले जन्म लेने वाले शिशुओं की समय पर पहचान, उचित रेफरल, वैज्ञानिक उपचार एवं निरंतर देखभाल से मातृ एवं नवजात मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाई जा सकती है। इसी उद्देश्य से FOGSI द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में चिकित्सकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में डॉ. विनोद सिंह, डॉ. सरोज यादव, डॉ. जयेश सिंह, डॉ. गुंजन पटेल, डॉ. प्रियंवदा सिंह, डॉ. मधु शारदा, डॉ. अंबर खान, डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. शिखा शुक्ला, डॉ. पंखुरी श्रीवास्तव तथा डॉ. नेहा गुप्ता सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

तीन दिन में दुरुस्त करें स्कूली बसों के दस्तावेज, वरना होगी कड़ी कार्रवाई: डीएम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में शासन द्वारा विकसित स्कूल वाहन निगरानी पोर्टल पर दर्ज स्कूली वाहनों की स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान सामने आया कि 113 वाहनों की फिटनेस फेल है, जबकि 244 वाहन बिना परमिट या समाप्त परमिट के संचालित हो रहे हैं।

इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों को तीन दिनों के भीतर सभी वाहनों की फिटनेस और परमिट अनिवार्य रूप से दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि समयसीमा के भीतर दस्तावेज सही न कराने पर संबंधित विद्यालयों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने निर्देश दिए कि सभी विद्यालय यह सुनिश्चित करें कि स्कूली वाहन निर्धारित गति सीमा में संचालित हों, चालक वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, सभी बसें पीले रंग की हों तथा उन पर आगे और पीछे 'विद्यालय बस' एवं विद्यालय का नाम अंकित हो। इसके अलावा प्रत्येक बस में स्पीड लिमिट डिवाइस, फर्स्ट एड बॉक्स और अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से उपलब्ध हों।

जिला विद्यालय निरीक्षक देवेन्द्र कुमार सिंह ने भी विद्यालय प्रबंधकों को निर्देशित किया कि जिन वाहनों के दस्तावेज अधूरे या अमान्य हैं, उन्हें तीन दिनों के भीतर सही कराया जाए। ऐसा न होने पर संबंधित विद्यालय की मान्यता के प्रत्याहरण की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही प्रत्येक विद्यालय में विद्यालय सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित कर उसकी कार्यवृत्ति पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, एआरटीओ (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह, बीएसए डॉ. समीर, यातायात निरीक्षक मनोज कुमार पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनपद के विद्यालयों के प्रबंधक और प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

2.85 करोड़ से संवरेंगे मुंडेश्वर महादेव मंदिर, रोहनिया विधायक ने किया भूमि पूजन और शिलान्यास

धार्मिक पर्यटन को मिलेगी नई पहचान, श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की उम्मीद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया विधानसभा रोहनिया क्षेत्र के विकास की गति को नई दिशा देते हुए विधायक डॉ. सुनील पटेल ने ग्राम मुड़ादेव स्थित प्रसिद्ध मुंडेश्वर महादेव मंदिर के सृजन एवं सुंदरीकरण कार्य का भूमि पूजन व शिलान्यास किया।वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम में लगभग 2 करोड़ 85 लाख रुपये की लागत से मंदिर परिसर का विकास किया जाएगा। इसे क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन दृष्टि से ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है।विधायक डॉ. सुनील पटेल ने कहा कि रोहनिया के समग्र विकास के साथ धार्मिक स्थलों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व होगा।स्थानीय लोगों ने इस पहल को क्षेत्र के विकास और आस्था को मजबूती देने वाला कदम बताया। मंदिर के सुंदरीकरण के बाद यहां श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से राजेंद्र प्रसाद पटेल जिला अध्यक्ष , राष्ट्रीय सचिव राकेश यादव ,राष्ट्रीय सचिव अजीत पटेल,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डॉ नरेंद्र पटेल, जिलाध्यक्ष युवा मंच मानस सिंह, राष्ट्रीय सचिव दिव्यांशु पटेल, राष्ट्रीय सचिव आनंद प्रकाश पटेल, राष्ट्रीय सचिव उदय प्रताप प्रधान, प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह सोनू, प्रदेश सचिव महिला मंच रीना वर्मा, मंडल अध्यक्ष भाजपा गोपाल सिंह, विधानसभा अध्यक्ष बसंत लाल पटेल, जोन अध्यक्ष आदर्श पटेल, डॉक्टर प्रेम पटेल, दिनेश पटेल सहित सम्मानित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहें।

5 लाख लूटकांड का खुलासा, 8 बदमाश गिरफ्तार

◆ पुलिस मुठभेड़ में मुख्य आरोपी के पैर में लगी गोली

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के चेतगंज थाना क्षेत्र में प्लॉट की रजिस्ट्री के लिए ले जाए जा रहे 5 लाख की लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। संयुक्त कार्रवाई में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान मुख्य आरोपी आकाश सेठ ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में हुई आत्मरक्षार्थ कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लगी। उसे इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट की पूरी 5 लाख की रकम, एक पिस्टल, दो खोखा कारतूस, घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार और बुलेट बाइक बरामद की है। सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों को रामनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। घटना के सफल अनावरण पर काशी जोन के पुलिस उपायुक्त ने पुलिस टीम को 25,000 का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

भाजपा की बेलवा में हुई संगठनात्मक बैठक

मड़ियाहूं,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी मंडल बेलवां की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक भोलानाथ शांति निकेतन इंटर कालेज बेलवा के प्रांगण में संपन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि मंडल के प्रभारी डा अभिषेक रावत ने संगठनात्मक वृत्त लिया तथा पदाधिकारियों और कार्यकताओं के बीच आगामी कार्ययोजना को विस्तारपूर्वक रखा। उन्होंने सभी सेक्टर संयोजक प्रभारी और प्रवासियों से बूथ तक जाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को शिक्षण प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुरेन्द्र पाठक, पूर्व मंडल अध्यक्ष राज कृष्ण शर्मा ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में संगठन की मजबूती, डिजीटल लर्निंग कार्यक्रम को करने,एक बृक्ष मां के नाम के तहत अधिक से अधिक बृक्ष लगाने और मन की बात कार्यक्रम को सभी लोगों को सुनने के लिए अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष जगदीश चौहान और संचालन महामंत्री बिनोद यादव ने किया।इस अवसर पर सतीश सिंह, अरुण सरोज, प्रवीण पाण्डेय, संजीव गुप्ता, प्रवीण चौहान,संजय पाठक, अशोक मौर्या, बाबूराम यादव,सहित मंडल के पदाधिकारी शक्ति केंद्र संयोजक, शक्ति केंद्र प्रभारी प्रवासी सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

होटल यश पद्म में मंडलाध्यक्ष सलाहकार समिति की प्रथम बैठक संपन्न

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। होटल यश पद्म में जोन चेयरपर्सन डी-1 एम.जे.एफ. लायन अंजना शुक्ला के नेतृत्व में मंडलाध्यक्ष सलाहकार समिति की प्रथम बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में लायंस क्लब इलाहाबाद अशोक, इलाहाबाद संगम एवं प्रयागराज शकुंतला के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष तथा सर्विस चेयरपर्सन उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि तीनों क्लबों ने अंतरराष्ट्रीय शुल्क का समय से पूर्व भुगतान कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस उपलब्धि पर सभी क्लबों को बधाई दी गई। मंडलाध्यक्ष की कार्ययोजना के अनुरूप प्रमुख विषयों पर चर्चा करते हुए डिस्ट्रिक्ट जॉइंट पीआरओ लायन हिमांशु गुप्ता ने ओडीओपी एवं लायंस क्वेस्ट कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। वहीं, डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन जगमोहन अग्रवाल ने सदस्यता वृद्धि और एलसीआईएफ से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। लायन धीरेन्द्र मिश्रा ने एलएलसी विषय पर उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक में माला मिश्रा, निशा छिब्बेर, महेश अग्रवाल, मानस तिवारी, श्वेता तिवारी, पूजा केशरवानी, सुनील कुमार छिब्बेर, अविनीश केसरवानी, शिशिर कांत सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य संगठन की आगामी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के साथ सेवा कार्यों को और अधिक गति प्रदान करना रहा।

स्पीड पोस्ट की रफ्तार या सिस्टम की चूक?

ऑनलाइन ट्रैकिंग में 'डिलीवर', हकीकत में प्रेषक के पास लौटी डाक ने बढ़ाई उलझन, डिजिटल व्यवस्था में तकनीक के साथ मानवीय जवाबदेही पर भी बड़ा सवाल

पोस्ट की ऑनलाइन ट्रैकिंग में पहले आइटम डिलीवर्ड (एड्रेस) दिखाई दे और कुछ दिन बाद वही लिफाफा प्रेषक के घर वापस पहुँच जाए, तो सवाल केवल एक पत्र का नहीं रह जाता, बल्कि पूरी डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली की विश्वसनीयता पर खड़ा हो जाता है। भारत में डाक विभाग का इतिहास केवल पत्रों का इतिहास नहीं है, बल्कि भावनाओं, भरोसे और सामाजिक संबंधों का इतिहास भी है। एक समय था जब डाकिए की घंटी पूरे परिवार के चेहरे पर मुस्कान ला देती थी। नौकरी का नियुक्ति-पत्र, परीक्षा का

वाराणसी. डिजिटल भारत का सपना केवल इंटरनेट, मोबाइल एप या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तक सीमित नहीं है। इसका सबसे बड़ा आधार है—नागरिक का विश्वास। जब कोई व्यक्ति किसी सरकारी व्यवस्था का उपयोग करता है, तो वह केवल सेवा नहीं खरीदता, बल्कि उस व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भरोसा भी करता है। भारतीय डाक विभाग भी इसी विश्वास की एक सदी पुरानी विरासत का नाम है। लेकिन यदि किसी स्पीड

परिणाम, बेटे की चिट्ठी, पिता का संदेश या किसी सैनिक का पत्र—सब कुछ डाकिए के हाथों से होकर गुजरता था। उस दौर में न बारकोड था, न डिजिटल ट्रैकिंग, लेकिन भरोसा इतना मजबूत था कि लोग महीनों तक धैर्य से प्रतीक्षा करते थे। समय बदला। तकनीक आई। बारकोड, ऑटोमैटिक सॉर्टिंग मशीन, ऑनलाइन ट्रैकिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने डाक व्यवस्था को पहले से कहीं अधिक तेज और आधुनिक बना दिया। यह बदलाव स्वागतयोग्य भी है। आज कोई भी नागरिक अपने मोबाइल पर यह देख सकता है कि उसका पत्र किस डाकघर में है, कब रवाना हुआ और कब डिलीवर हुआ। लेकिन प्रश्न तब उठता है, जब स्क्रीन पर दिखाई देने वाला सच और वास्तविकता एक-दूसरे से मेल न खाएं। यदि ऑनलाइन रिकॉर्ड कहे कि रुडिलीवरी हो गई, लेकिन कुछ दिन बाद वही पत्र वापस प्रेषक के हाथ में आ जाए, तो नागरिक किस पर विश्वास करे? मोबाइल स्क्रीन पर दिखाए दे रहे डिजिटल रिकॉर्ड पर या अपने हाथ में पड़े लौटे हुए लिफाफे पर? यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि विश्वास का संकट है। तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता उसकी गति है, लेकिन सार्वजनिक सेवा की सबसे बड़ी पहचान उसकी विश्वसनीयता है। यदि गति बढ़े और भरोसा घट जाए, तो आधुनिकता का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। मशीनें बारकोड पढ़ सकती हैं, लेकिन वे परिस्थिति नहीं समझतीं। वे केवल वही करती हैं, जो उन्हें निर्देशित किया गया है। इसलिए अंतिम जिम्मेदारी आज भी उस कर्मचारी की है, जो स्क्रीन पर दिख रही सूचना और लिफाफे पर लिखे पते—दोनों को देखकर निर्णय लेता है। यहीं एक बड़ा प्रश्न खड़ा होता है। आज डाकघरों में पहले जैसी भीड़ नहीं है।

भारत का पहला AI-nativeटिकटिंग प्लेटफॉर्म 'thumpN' हुआ लॉन्च

मुंबई। भारत का लाइव एंटरटेनमेंट बाजार दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाले बाजारों में से एक है, लेकिन सही अनुभवों को खोजने के तरीके इस रफ्तार के साथ तालमेल नहीं बिठा पाए हैं। इसी अंतर को पाटने के लिए आज 'thumpN' को लॉन्च किया गया है। भारत के लाइव एंटरटेनमेंट उद्योग को दो दशकों से अधिक समय तक आकार देने वाली एक अनुभवी टीम द्वारा तैयार किया गया thumpN एक AI-native डिस्कवरी और टिकटिंग प्लेटफॉर्म है। इसे फैंस को ऐसे अनुभवों को खोजने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है जो वास्तव में उनकी पसंद, व्यक्तित्व और उनके मूड से मेल खाते हों। चाहे कंसर्ट्स हों, कॉमेडी हो, नाइटलाइफ, स्पोर्ट्स, फेस्टिवल्स हों या उभरते हुए रीजनल इवेंट्स–thumpN लाइव मनोरंजन की पूरी दुनिया को एक ही छत के नीचे लेकर आता है। हर साल 319 शहरों में 40,000 से अधिक लाइव इवेंट्स होने के कारण, जहाँ एक तरफ फैंस विकल्पों की भरमार से भ्रमित हो जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ आयोजकों को अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। आज इवेंट्स की खोज सोशल मीडिया फीड, एल्गोरिदम, ग्रुप चैट्स और लोगों से सुनी-सुनाई बातों में बिखरी हुई है। जैसे-जैसे यह बाजार महानगरों से आगे बढ़ रहा है और उपभोक्ता अधिक बातचीत वाले और पर्सनलाइज्ड अनुभवों की ओर रुख कर रहे हैं, यह कैटेगरी अब एक बिल्कुल नए डिस्कवरी मॉडल के लिए तैयार है। इस प्लेटफॉर्म के केंद्र में Shadow है, जो thumpN का एक कन्वर्सेशनल एआई एजेंट है। इसे पारंपरिक सर्च बार के बजाय एक सहज बातचीत के माध्यम से फैंस को उनकी पसंद के अनुभव ढूंढने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है।

कांग्रेसियों ने इंदौर को अवैध होर्डिंग-मुक्त बनाने की मांग, नगर निगम को सौंपा ज्ञापन

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस ने इंदौर शहर को सुंदर बनाने और अवैध होर्डिंग मुक्त रखने की मांग उठाई। सोमवार को नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सहित कांग्रेसजनों ने नगर निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और नगर निगम कमिश्नर के नाम ज्ञापन सौंपा शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे और नगर निगम नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ नगर निगम मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान बीजेपी की तानाशाही नहीं चलेगी, अवैध होर्डिंग नहीं चलेंगे जैसे नारे लगाए गए। चौकसे और मिमरोट का कहना है कि राजनीतिक दलों द्वारा नेताओं के जन्मदिन और अन्य कार्यक्रमों के अवसर पर पूरे शहर में कहीं भी होर्डिंग लगा दिए जाते हैं। इस तरह के होर्डिंग शहर की सुंदरता को प्रभावित करते हैं। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि एक समय नगर निगम ने इस संबंध में नीति निर्धारित की थी। इसके तहत कहीं भी अवैध होर्डिंग लगाए जाने पर निगम की टीम उन्हें रातों-रात हटा देती थी। उनका कहना है कि शहर की सुंदरता बनाए रखने के लिए इस नीति का निष्पक्ष रूप से पालन किया जाना चाहिए। इसी मांग को लेकर नगर निगम कमिश्नर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। हालांकि, कमिश्नर के मौजूद नहीं होने पर अतिरिक्त आयुक्त ने ज्ञापन लेकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

वयोवृद्धों एवं दिव्यांगजनों को मिला सहायक उपकरण

सुल्तानपुर। जनपद सुल्तानपुर के उघड़पुर चौराहे पर रविवार को भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वयोवृद्ध एवं दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिमको) द्वारा अधिकृत संस्था आदर्श आसरा के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, कमोड चेयर, छड़ी, इलेक्ट्रॉनिक छड़ी, कान की मशीन, बैसाखी, घुटना बेल्ट, कमर बेल्ट, कुशन गद्दी तथा अन्य आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आयोजन प्रभात दुबे के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने लाभार्थियों से प्राप्त उपकरणों का नियमित उपयोग करने तथा अन्य जरूरतमंद लोगों को भी सरकारी योजनाओं की जानकारी देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन गौरव कुमार दुबे ने किया, जबकि व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी मनीष दुबे ने संभाली। इस अवसर पर केदारनाथ, प्रेमानंद, रवि शंकर दुबे, हैप्पी, महेंद्र कुमार, सुमन दुबे, पवन शुक्ला सहित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आयोजकों एवं संबंधित संस्थाओं के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन की क्षेत्र में व्यापक सराहना की गई।

डीएम-एसपी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

बलरामपुर। तहसील बलरामपुर सदर में जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस में प्राप्त कुछ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों में संबंधित अधिकारियों को स्थल निरीक्षण कर निर्धारित समय सीमा के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने भूमि विवादों को प्राथमिकता से निस्तारित करने पर जोर देते हुए कहा कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करे और दोनों पक्षों को सुनकर विधिसम्मत एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करे। उन्होंने अधिक भूमि विवाद वाले गांवों में विशेष राजस्व चौपाल आयोजित करने के भी निर्देश दिए, ताकि आपसी संवाद के माध्यम से विवादों का स्थायी समाधान हो सके और मुकदमेबाजी में कमी आए। 36 वर्ष पुरानी खतौनी की त्रुटि का मौके पर हुआ समाधान

समाधान दिवस के दौरान तहसील सदर के ग्राम बरईपुर निवासी कमला प्रसाद की 36 वर्ष पुरानी राजस्व अभिलेख (खतौनी) की लिपिकीय त्रुटि का मौके पर ही समाधान किया गया। वर्ष 1990 में उनकी पत्नी मिथिलेश कुमारी के नाम खरीदी गई भूमि में खतौनी पर निवास स्थान गलत दर्ज हो गया था, जिससे उन्हें वर्षों से राजस्व संबंधी कार्यों में परेशानी हो रही थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व अधिकारियों ने अभिलेखों का तत्काल सत्यापन कर त्रुटि का संशोधन कराया और प्रकरण का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य केवल शिकायतें प्राप्त करना नहीं, बल्कि पात्र व्यक्तियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी न्याय दिलाना है। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मनराज प्रतिष्ठान द्वारा निःशुल्क मेडिकल कैंप का सफल आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मनराज प्रतिष्ठान द्वारा मां शीला क्लिनिक, ईमान सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट तथा कृष्णा डायग्नोस्टिक के सहयोग से स्वस्थ समाज, हमारा संकल्प अभियान के अंतर्गत रविवार को बिल्डिंग नं. 20, एचडीआईएल, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई-70 में एक विशाल निःशुल्क मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। शिविर में नागरिकों के लिए ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, थायरॉइड, अस्थमा एवं नेत्र जांच की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई गई। साथ ही पात्र मरीजों को निःशुल्क चश्मे भी वितरित किए गए। इस जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर का स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक लाभ उठाया। 80 से अधिक लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श प्राप्त किया। आयोजकों ने बताया कि स्वस्थ समाज, हमारा संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर मनराज प्रतिष्ठान के अध्यक्ष मनोज नाथानी, ईमान सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के खलील शेख, सज्जाद शेख, फैजान शेख, आसिफ शेख, दिलावर मंसूरी, समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), सुखवीर सिंह, डॉ. नेहा यादव, जालिंदर साळवे, विद्यानंद यादव, हिरेन पांचाल, रेहमान शेख, किरण शेळके तथा डॉ. फरिश हाश्मी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यदि चाहें, मैं इसे समाचार पत्र प्रकाशन शैली में और अधिक प्रभावशाली शीर्षक व उपशीर्षक के साथ भी तैयार कर सकता हूँ।

मड़ियाहूं में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन, 55 शिकायतें प्राप्त, 5 का मौके पर निस्तारण

मड़ियाहू, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उप जिलाधिकारी मड़ियाहू नवीन कुमार की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 55 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 5 मामलों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने शेष शिकायतों को समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार संदीप कुमार गुप्ता, खंड विकास अधिकारी रामनगर, एडीओ रामपुर अरुण कुमार यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

52 दिन बाद भी शासन को नहीं भेजी गई जांच रिपोर्ट, तहसील दिवस में डीएम को सौंपा ज्ञापन

ओबरा, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। तहसील दिवस के दौरान समाजसेवी राकेश केशरी ने जिलाधिकारी चर्चित गौड़ को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शिकायत की जांच रिपोर्ट 52 दिन बीत जाने के बाद भी शासन को नहीं भेजी गई है। उन्होंने मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए शासन के आदेशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित कराने की अपील की। ज्ञापन के अनुसार, उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास अनुभाग-1 द्वारा 15 मई 2026 को जारी पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी सोनभद्र को शिकायत की सक्षम स्तर से जांच कराकर स्पष्ट संस्तुति सहित तथ्यात्मक आख्या तत्काल शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। आरोप है कि निर्धारित समय बीत जाने के बावजूद रिपोर्ट शासन को प्रेषित नहीं की गई, जिससे शिकायत का निस्तारण लंबित है। ज्ञापन में ओबरा नगर क्षेत्र की कई जनसमस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। सेक्टर-9 से खैरटिया मार्ग तक लगभग 500 मीटर क्षेत्र में नई स्ट्रीट लाइटें लगने के बावजूद उनके बंद पड़े रहने का मुद्दा उठाते हुए बताया गया कि रात में पूरा मार्ग अंधेरे में डूबा रहता है। इससे छात्राओं, महिलाओं और आम नागरिकों को आवागमन में कठिनाई होती है तथा असामाजिक तत्वों के जमावड़े की शिकायत भी की गई। इसके अलावा बग्घा नाला से शारदा मंदिर तक करोड़ों रुपये की लागत से लगाई गई स्ट्रीट लाइटों के खराब होने, शिकायतों के बावजूद उनकी मरम्मत न होने तथा वाराणसीशक्तिनगर मुख्य मार्ग, ओवरब्रिज और चोपन पुल पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों एवं जर्जर सड़क की समस्या भी ज्ञापन में उठाई गई। राकेश केशरी ने मांग की कि शासन के आदेश का तत्काल अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए, लंबित जांच शीघ्र पूरी कर रिपोर्ट शासन को भेजी जाए, बंद स्ट्रीट लाइटों एवं जर्जर सड़कों की समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाए तथा लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

रसना ने जम्पिन 1-लीटर टैट्रा पैक कार्टन देशभर में लॉन्च किया

मुंबई। दुनियाभर में इंस्टेंट बेवरेज के सबसे बड़े निर्माता रसना ने नए 1-लीटर फैमिली पैक के लॉन्च के साथ ही, देशभर में अपने रेडी-टू-ड्रिंक (आरटीडी) फ्रूट बेवरेज पोर्टफोलियो में विस्तार किया है। अधिक फ्रूट कन्टेंट के साथ-साथ 10 विटामिनों और मिनिरल्स से भरपूर यह प्रीमियम फ्रूट बेवरेज, बाजार में पहले से मौजूद रसना के 125 मिली और 200 मिली पैक समेत देशभर में प्रीमियम, हाइ-फ्रूट कन्टेंट, विटामिनयुक्त रेडी-टू-ड्रिंक बेवरेज की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। इस प्रोडक्ट को इंटरनेशनल बाजार में पहले से ही पसंद किए जाने वाले टैट्रा पैक कार्टन में पैक किया गया है, जो कि बेवरेज पैकेजिंग के मामले में ग्लोबल लीडर टैट्रा पैक की मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में ही निर्मित है। एक और रोचक बात यह है कि रसना ने जम्पिन के लोकप्रिय रैपर कम्युनिकेशन फॉर्मेट में ही इस नए प्रोडक्ट को भी पेश करने की तैयारी कर ली है जिसमें एक युवक और एक रैपर आपस में बातचीत करते हुए दिखायी दे रहे हैं और म्युजिक, पहचान तथा स्टोरीटेलिंग के जरिए ग्राहकों के साथ इमोशनल जुड़ाव कायम करते हैं। इसके साथ ही, कंपनी ने बड़े पैमाने पर टेलीविज़न विज्ञापन कैम्पेन, आउटडोर मीडिया, डिजिटल वीडियो विज्ञापन और ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए भी कंज्यूमर आउटरीच में विस्तार करने की योजना बनायी है और जियो सिनेमा/हॉटस्टार, जी5 तथा यूट्यूब के साथ-साथ इंस्टाग्राम एवं प्रोग्रामेटिक डिजिटल नेटवर्क्स पर भी इसे प्रचारित किया जाएगा। इस लॉन्च के बारे में, पिरुज खंबाटा, ग्रुप चेयरमैन, रसना प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, जम्पिन दरअसल, इंटरनेशनल क्वालिटी के फ्रूट बेवरेज को किफायती कीमत पर भारतीय उपभोक्ताओं के लिए पेश करने की हमारी योजना के अनुरूप है, और इसके मामले में हम अपनी मेक इन इंडिया नीति पर भी खरे उतरते हैं।

मिला मानद डॉक्टरेट सम्मान

पटना। बिहार के युवा उद्यमी एवं समाजसेवी नेयाज खालिद नूर को ब्रिटेन के प्रतिष्ठित हाउस ऑफ लॉर्ड्स में आयोजित समारोह के दौरान सोशल एंटरप्रेन्योरशिप एवं सस्टेनेबल बिजनेस के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए लंदन स्कूल ऑफ बिजनेस एंड साइंस द्वारा मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया। बिहार के साधारण परिवार से आने वाले नेयाज खालिद नूर ने वर्ष 2009 में पटना से अपने उद्यम की शुरुआत की थी।

बेहतरीन ग्रामोद्योग इकाइयों को मिलेगा सम्मान, 15 जुलाई तक करें आवेदन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 'खादी एवं ग्रामोद्योग पुरस्कार योजना' के तहत उत्कृष्ट ग्रामोद्योग इकाइयों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत स्थापित और पिछले तीन वर्षों से निरंतर सफलतापूर्वक संचालित इकाइयों का चयन किया जाएगा। चयनित इकाइयों को क्रमशः 15 हजार, 12 हजार और 10 हजार रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने ने बताया कि इच्छुक उद्यमी निर्धारित प्रारूप में आवेदन 15 जुलाई 2026 तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, टकटकपुर, वाराणसी में जमा कर सकते हैं। चयन समिति द्वारा उत्पादन, बिक्री, रोजगार सृजन तथा इकाई के समग्र प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार के लिए चयन किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए विभाग द्वारा जारी मोबाइल नंबर 9580503155 एवं 9264916036 पर संपर्क किया जा सकता है।

केराकत नगर के मोहल्ला नालापार में भीषण चोरी, व्यापारियों का आक्रोश, निकाली रैली

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत नगर के मोहल्ला नालापार में हुई भीषण चोरी का पर्दाफाश अभी तक न होने पर व्यापारियों का गुस्सा उबाल पर है। सोमवार को तहसील अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल के निर्देश पर व्यापारियों का आक्रोश सड़क पर उतरा और आक्रोशित व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए आक्रोश रैली निकाली और एस डी एम सुनील कुमार भारती व पुलिस उपाधीक्षक अजय कुमार राय को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अतिशीघ्र इस बड़ी घटना का पर्दाफाश न होने पर केराकत बन्द कर विरोध जताने की चेतावनी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की नगर इकाई द्वारा किया गया था। नगर अध्यक्ष प्रदीप कुमार पिंकू और तहसील अध्यक्ष घनश्याम जयसवाल के नेतृत्व में रैली नगर भ्रमण करते हुए तहसील प्रांगण पहुंची जहां अधिकारियों को ज्ञापन दिया गया। मालूम हो कि गत 26 जून को नगर के मोहल्ले नालापार में पवन मोदनवाल पुत्र स्वर्गीय दया मोदनवाल के घर में सरे शाम ही चोरों हो गई। चोरी में करीब 45 लाख रुपए के आभूषण और 30 हजार रुपए नकद जाने की सूचना प्राप्त हुई है पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस इस मामले में पूरी तरह से फेल है। उधर तहसील बार असोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश कुमार एडवोकेट ने भी व्यापारियों का समर्थन करते हुए घटना के शीघ्र पर्दाफाश की मांग किया है।

19वें दिन धरने पर बैठीं सौम्या बिंद की बिगड़ी तबीयत, जिला अस्पताल में भर्ती

प्रियेश गुप्ता 'रुद्र'

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दूल्हा आजाद बिंद हत्याकांड के आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर पिछले 19 दिनों से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठीं सौम्या बिंद की सोमवार शाम अचानक तबीयत बिगड़ गई। उनकी हालत खराब होने पर धरना स्थल पर मौजूद लोगों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी। शाम करीब 5:20 बजे एंबुलेंस के माध्यम से सौम्या बिंद को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक परीक्षण के बाद उन्हें भर्ती कर लिया। फिलहाल उनका उपचार जारी है। जिला अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार, सौम्या बिंद डिहाइड्रेशन (शरीर में पानी की कमी) से पीड़ित हैं। उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय उपचार एवं तरल पदार्थ दिए जा रहे हैं। उनकी स्थिति पर लगातार चिकित्सकीय निगरानी रखी जा रही है। उधर, धरना स्थल पर मौजूद समर्थकों ने दूल्हा आजाद बिंद हत्याकांड के आरोपितों के विरुद्ध शीघ्र एवं कठोर कार्रवाई की मांग दोहराई। उनका कहना है कि जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

प्रधानाचार्य श्यामलाल की सेवा को मिला सम्मान

उदयपुरवाटी। भले ही आज उनकी विदाई को सप्ताह भर होने आया, पर अब भी 36 वर्षों की उनकी शिक्षकीय साधना का सफर सबकी जुबां पर है, जो एक कर्मठता की ही बानगी है, इसका अंदाज इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अपनी अधिवार्षिक आयु पूरी होने के बाद मिली इस भावभीनी विदाई के सम्मान से गद गद हुए बिना नहीं रह पाए खुद राजकीय महात्मा गांधी स्कूल जमात के प्रिंसिपल श्यामलाल खटीक। आपको बता दे 30जून को निश्चित ही भावनाओं से भरा एक उत्सव का सा माहौल था। इतनी बड़ी संख्या में मेहमान, शहर के नागरिक और इस अवसर पर उनके नाती रिश्तेदारों का आना भी उनके लगाव का ही प्रतीक था। मास्टरजी की विदाई का कार्यक्रम भावनात्मक एवं गरिमामय वातावरण के बीच विद्यालय के परिसर में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह के रूप में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर मानो एक ऐसे व्यक्तित्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहा था, जिसने अपने जीवन के 36 स्वर्णिम वर्ष शिक्षा के दीप जलाने और विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में समर्पित कर दिए। मिली जानकारी के अनुसार श्यामलाल ने मार्च 1990 में प्रथम नियुक्ति ज्वाइनिंग की। शिक्षकीय सेवा में प्रवेश करने वाले श्यामलाल खटीक ने अपने दीर्घ सेवाकाल में विभिन्न विद्यालयों में प्रधानाध्यापक एवं प्रधानाचार्य के रूप में अपनी उल्लेखनीय सेवाएँ दीं। वे केवल एक प्रशासक नहीं, बल्कि अनुशासन, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा की जीवंत मिसाल रहे। उनकी सरलता, विद्यार्थियों के प्रति स्नेह और शिक्षा के प्रति समर्पण ने उन्हें समाज में एक विशिष्ट पहचान भी दिलाई। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेमीनारायण बड़ीवाल (सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी), अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बृजलाल देवठिया तथा महेंद्र कुमार सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा जगत में ऐसे कर्मयोगी विरले ही होते हैं, जो अपने कार्यों से संस्थानों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करते हैं। उन्होंने श्री खटीक के शिक्षण, नेतृत्व और मानवीय मूल्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय एवं सक्रिय जीवन की कामना की। इस अवसर बतौर अति विशिष्ट अतिथि डॉ. राजेन्द्र कुमावत चिराना (वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी उदयपुरवाटी) ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी यात्रा का अंत नहीं, बल्कि अनुभवों, उपलब्धियों और समाज के प्रति नए दायित्वों की एक नई शुरुआत है। अब इनको जिंदगी को अपनी तरह से जीने का, अधूरे काम पूरे करने का, समाज में सक्रिय होकर समाजोत्थान करने का मानो अवसर मिला है। उन्होंने श्री खटीक को शिक्षा-जगत का प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके दीर्घायु एवं निरोगी जीवन की मंगल कामनाएँ भी व्यक्त कीं। कार्यक्रम में मेहमान, शहर के गणमान्य जन, विद्यालय का स्टाफ, एस.एम.सी. सदस्य, के अलावा जगदीश कुमावत सेवानिवृत अध्यापक, ललित कुमार शर्मा, सत्यनारायण असवाल, बसेसर छिनवाल, दिलीप असवाल, घनश्याम, सुरेंद्र, विक्रम, प्रशांत, सूबेदार, मदनलाल, धर्मपाल, हंसराज सहित श्यामजी की धर्मपत्नी विमला देवी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति और विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। मंच संचालन श्रीमती चन्द्रकला ने प्रभावी एवं भावपूर्ण ढंग से किया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने श्री खटीक के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें एक आदर्श शिक्षक, कुशल प्रशासक और समाज के सच्चे पथप्रदर्शक के रूप में याद किया। समारोह के अंत में जब श्री श्यामलाल खटीक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया, तो उपस्थित जनसमूह की आँखें नम हो उठीं। यह केवल एक विदाई नहीं थी, बल्कि सेवा, समर्पण और संस्कारों से परिपूर्ण जीवन- यात्रा को समाज द्वारा दिया गया सम्मान था, जिसने यह संदेश दिया कि सच्ची निष्ठा और कर्मयोग का प्रतिफल सदैव सम्मान के रूप में ही मिलता है।